जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 217 प्रभात अजमेर, मंगलवार 17 मार्च, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बेबस से ट्रंप ने नाटो देशों से मदद मांगी, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को खुलवाने के लिए

सभी नाटो सदस्यों ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि यह युद्ध यूरोपीय देशों का युद्ध नहीं है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मार्च। डॉनल्ड ट्रम्प का अहंकार कुछ समय पहले तक सातवें आसमान पर था। वे अपने ओवल ऑफिस में मीडिया के सामने कई देशों के प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों को शर्मिंदा करने से नहीं चूकते थे।

अब, दुनिया ईरान के सामने डॉनल्ड ट्रम्प की बेइज्जती देख रही है, क्योंकि वे नाटो के सहयोगी देशों से मिन्नतें कर रहे हैं कि वे उन्हें उस जाल से बाहर निकालें, जो उन्होंने खुद ही होर्मुज़ स्ट्रेट में अपने लिए बुना था। युद्ध अब तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और इसके समाप्त होने की कोई संभावना दिखाई नहीं देती। यह स्थिति ट्रम्प के उस दावे के बिल्कुल विपरीत है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह तेज और छोटा युद्ध होगा, जो ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को समाप्त कर देगा।

ट्रम्प की मदद की अपील के जवाब में, यूनाइटेड किंगडम ने इस विचार को सिरे से खारिज कर दिया। वहाँ के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उनका देश इस व्यापक युद्ध में शामिल नहीं होगा। स्टार्मर ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह "हमारा युद्ध" नहीं है, जिसमें ब्रिटेन को खींचा जाए।

याद होगा कि ओवल ऑफिस में दुनिया के मीडिया के सामने हुई एक बैठक में डॉनल्ड ट्रम्प ने तिरस्कार भरे अंदाज़ में स्टार्मर से पूछा था कि क्या उन्हें खुद पर इतना भरोसा है कि वे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सभी नाटो सदस्य, उस अपमान का बदला ले रहे हैं, जो अपने ऑफिस, वाइट हाउस के "ओवल ऑफिस" में राष्ट्रपति ट्रंप ने किया था। ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुल्लम खुल्ला खूब तिरस्कृत करते हुए ट्रंप ने कटाक्ष किया था कि क्या यूरोपीय देश, रूस का सामना करने के लिए तैयार हैं, अमेरिका की सहायता के बिना।
- पर, अब अमेरिका उन्हीं यूरोपीय देशों से सहायता मांग रहा है, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को जहाज़ों के आवागमन के लिए खुलवाने के लिए।
- अब यह भी उजागर हो गया है कि ट्रंप के इस दावे में कुछ दम नहीं है कि अमेरिकी नौसेना के संरक्षण में वो कॉमर्शियल सामान ले जा रहे जहाजों को सुरक्षित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ पार करवा देंगे। ईरानी मिसाइल के बमबारी की क्षमता के सामने अब अमेरिकी नौ सेना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में प्रवेश करने का साहस नहीं जुटा पा रही।
- ट्रंप की यह गर्वोक्ति भी मिथ्या साबित हुई कि अमेरिका के आक्रमण के कारण ईरान की समस्त नौ सेना तहस-नहस हो चुकी है। लोग सवाल उठा रहे हैं, अगर ट्रंप के वक्तव्य में सच्चाई है तो अमेरिका क्यों यूरोपीय देशों से मदद मांग रहा है, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को आवागमन के लिए खुलवाने के लिए।

संसद में सुरक्षा अलार्म बजा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मार्च। सोमवार को संसद के एक प्रवेश द्वार पर एक बूम बैरियर गिर जाने से तुरंत सुरक्षा अलार्म बजने लगा और क्विक रिएक्शन टीन (क्यूआरटी) तुरंत सक्रिय हो गई। यह घटना संभवतः तेज़ हवा के कारण हुई एक तकनीकी खराबी से हुई।

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बम के वरिष्ठ अधिकारी, जो संसद भवन परिसर की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं, तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का आकलन किया। सूत्रों के अनुसार जांच में पाया गया कि कोई सुरक्षा खतरा नहीं था।

कुछ समय बाद विजय चौक के पास स्थित इस गेट से वाहनों की सामान्य आवाजाही फिर से शुरू कर दी गई।

सूत्रों ने बताया कि बूम बैरियर, जिसे उठाए बिना कोई वाहन अंदर प्रवेश नहीं कर सकता हैं, अचानक नीचे आ गया। माना जा रहा है कि यह तेज़ हवा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हवा के कारण पैदा हुई तकनीकी खराबी से बूम बैरियर अचानक गिर गया तो सुरक्षा अलार्म बज उठा, बाद में सुरक्षा टीम तुरंत एक्टिव हो गई, पता चला अलार्म झूठा था।

बिहार में महागठबंधन "लॉयल्टी टैस्ट" में असफल हुआ

महागठबंधन के प्रत्याशी को जीतने के लिए 41 वोट चाहिए थे, पर, चार विधायक आए ही नहीं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मार्च। यदि दस राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए हुए चुनावों को विपक्षी दलों की वफादारी की परीक्षा माना जा रहा था, तो कम से कम बिहार में ये दल इस परीक्षा में खरे नहीं उतर सके।

सोमवार को सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने बिहार की सभी पाँच राज्यसभा सीटों पर आसानी से जीत हासिल कर ली, जबकि महागठबंधन एक भी सीट नहीं जीत पाया, क्योंकि विपक्ष के चार विधायक मतदान के समय अनुपस्थित रहे।

इन चुनावों से पहले असामान्य राजनीतिक गठबंधन बनाए गए और पुरानी दुश्मनियों को भुला दिया गया था, जिसके कारण 37 में से 26 उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए गए। निर्विरोध चुने गए नेताओं में वरिष्ठ राजनेता और एनसीपी के संस्थापक शरद पवार, कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी, केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले, पीएमके प्रमुख अंबुमणि रामदास, बंगाल के भाजपा नेता राहुल सिन्हा और डीएमके के वरिष्ठ नेता त्रिची शिवा शामिल हैं।

- बिहार में कुल 5 सीटों पर राज्यसभा चुनाव होना था, सभी 5 सीटें एनडीए ने जीत ली हैं। एनडीए के विजयी प्रत्याशी हैं, नितिन नबीन, शिवेश कुमार, नीतीश कुमार, रामनाथ ठाकुर और उपेन्द्र कुशवाहा।
- पांचवी सीट के लिए राजद ने अपना प्रत्याशी खड़ा किया था। महागठबंधन के पास कुल 35 वोट थे। शेष 6 वोटों की कमी के लिए ओवैसी की पार्टी के 5 और बसपा के एक विधायक का समर्थन पक्का कर लिया गया, लेकिन मतदान के समय कांग्रेस के तीन और राजद का एक विधायक गैर हाजिर रहा, नतीजा यह रहा कि महागठबंधन हार गया।
- कांग्रेस के तीनों विधायक, सुरेन्द्र कुशवाहा, मनोज बिस्वास व मनोहर प्रसाद सिंह फोन बंद कर गायब हो गए थे, वहीं राजद के फैसल रहमान ने अपनी माँ की बीमारी को गैर हाजिरी का कारण बताया।

बिहार में महागठबंधन को बड़ी निराशा हाथ लगी। अंतिम समय में गठबंधन मजबूत करने के बावजूद, वह पाँचवीं सीट जीतने के लिए आवश्यक 41 वोटों का आंकड़ा पार नहीं कर पाया।

आरजेडी के पास 35 विधायक थे, जो जीत के लिए जरूरी संख्या से छह कम थे। इसलिए पार्टी ने असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के पाँच विधायकों का समर्थन हासिल कर लिया था। एकमात्र बीएसपी विधायक ने भी महागठबंधन के उम्मीदवार को समर्थन देने का वादा किया था, जबकि उम्मीद थी कि कांग्रेस के तीन विधायक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आर्थिक अनुदान सीधे ईरानी दूतावास में ही जमा कराएं'

ईरानी दूतावास ने भारत के अपने शुभचिंतकों से अनुरोध किया

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मार्च। इज़राइल, अमेरिका और ईरान से जुड़े बढ़ते संघर्ष का असर अब युद्धक्षेत्र से बहुत दूर तक दिखाई देने लगा है। नई दिल्ली में ईरानी दूतावास ने अपने शुभचिंतकों से अपील की है कि वे सीधे दूतावास में नकद दान करें, क्योंकि सामान्य बैंक ट्रांसफर के माध्यम से धन प्राप्त करने में उसे कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

यह अनुरोध इस बात को उजागर करता है कि पश्चिम एशिया में चल रहा भू-राजनीतिक टकराव किस तरह वैश्विक वित्तीय प्रणाली से टकरा रहा है। राजनयिकों और विश्लेषकों का कहना है कि यह व्यवधान केवल तकनीकी कारणों से नहीं है। बल्कि यह वॉशिंगटन के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के प्रभाव को दर्शाता है, जिन्होंने लंबे समय से ईरानी संस्थाओं से जुड़े वित्तीय लेन-देन को सीमित कर रखा है।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) इन प्रतिबंधों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- एक्स पर लिखी एक पोस्ट में ईरानी दूतावास ने कहा, हम भारत के उन लोगों का धन्यवाद करते हैं, जो युद्ध ग्रस्त नागरिकों की मदद करना चाहते हैं, लेकिन तकनीकी कारणों से ऑनलाइन माध्यम से अनुदान बैंक खाते में प्राप्त करना कठिन हो गया है, इसलिए हम आग्रह करते हैं कि अनुदान सीधे दूतावास में दिया जाए।
- उन्होंने गूगल पे जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग नहीं करने का आग्रह भी किया।
- इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि ईरान पर अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का दूरगामी असर हो रहा है, यहाँ तक कि वे देश जो अमरीकी प्रतिबंधों को नहीं मानते हैं, उनके वित्तीय संस्थानों से भी लेन देन नहीं हो जा रहा है।

खार्ग आईलैंड पर सेना भेजेंगे ट्रंप?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मार्च। खबरों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प कथित तौर पर खार्ग द्वीप पर कब्ज़ा करने की संभावना पर विचार कर रहे हैं। यह फारस की खाड़ी में स्थित एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमेरिकी अधिकारियों ने कहा, अगर तेहरान की नाकेबंदी के कारण टैंकर फारस की खाड़ी में फंसे रहते हैं तो ट्रंप तेहरान के प्रमुख तेल भंडार, खार्ग आईलैंड पर कब्जा करने के लिए सेना भेज सकते हैं।

खाड़ी वॉर पर भ्रामक पोस्ट करने के आरोप में 19 भारतीय गिरफ्तार

दो चरणों में गिरफ्तारियाँ की गई हैं, पहले चरण में शनिवार को 2 व सोमवार को 17 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मार्च। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 35 लोगों, जिनमें 19 भारतीय शामिल हैं, की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। इन पर आरोप है कि इन्होंने सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो पोस्ट किए, जिनमें मध्य-पूर्व में चल रहे युद्ध से जुड़ी भ्रामक या मनगढ़ंत सामग्री थी। ज्ञातव्य है कि यह युद्ध पिछले महीने के अंत में तब शुरू हुआ था, जब अमेरिका-इज़रायल बलों ने ईरान पर हवाई हमले किए थे।

दुबई के अधिकारियों ने कहा कि जांच में सामने आया कि आरोपियों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके क्षेत्रीय तनाव से जुड़ी फर्जी फुटेज और कथाएँ फैलायीं। उनके खिलाफ त्वरित (फास्ट-ट्रैक) मुकदमा चलाया जाएगा।

यह कार्रवाई दो चरणों में की गई। ताज़ा सूची में विभिन्न देशों के 25 लोग शामिल हैं, जिनमें 17 भारतीय हैं। इससे पहले शनिवार को 10 लोगों, जिनमें दो भारतीय थे, की गिरफ्तारी का आदेश दिया गया था।

यूएई के अटॉर्नी जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्स ने एक बयान में कहा कि यह कदम डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रखी गई कड़ी निगरानी के बाद उठाया गया है, ताकि झूठी जानकारी और कृत्रिम (एआई से बनाई गई) सामग्री के प्रसार को रोका जा सके, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जाँच में सामने आया कि इन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर फर्जी फुटेज और समाचारों को प्रसारित किया, इन सभी पर फास्ट ट्रैक मुकदमा चलेगा तथा यूएई के कानून के अनुसार, एक साल की कैद व एक लाख दिरहम का जुर्माना हो सकता है।
- यूएई के अटॉर्नी जनरल हमद अल शम्स ने कहा, इन लोगों पर ईरानी हमलों के महिमा मंडन, ईरान के नेतृत्व की तारीफ करने का आरोप भी है।
- अब तक कुल 35 लोग गिरफ्तार हुए हैं, इनमें से 10 लोगों को शनिवार को गिरफ्तार किया गया, उनमें 2 भारतीय शामिल हैं।
- दूसरे चरण में एक समूह में सात आरोपी पकड़े गए, इनमें 5 भारतीय, एक नेपाली, एक बांग्लादेशी है तथा दूसरे समूह में गिरफ्तार 6 लोगों में से 5 भारतीय व एक पाकिस्तानी है।

विचार बिन्दु

घृणा हृदय का पागलपन है। –बायरन

सोनम वांगचुक के जेल में बिताए 170 दिन का हिसाब कौन देगा?

14 मार्च 2026 को भारत सरकार ने अचानक यह निर्णय लिया कि लद्दाख के प्रमुख पर्यावरण विद् और सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के मुकदमे को वापस ले लिया जाए एवं उन्हें तत्काल रिहा कर दिया जाए।

उच्चतम न्यायालय में हर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने यह तर्क दिया कि सोनम वांगचुक देश द्रोही हैं एवं वे देश विरोधी भड़काऊ भाषण देते रहे हैं। अतः उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत जेल में रखना आवश्यक है।

यह उल्लेखनीय है कि 26 सितंबर 2025 को स्थानीय पुलिस द्वारा अचानक सोनम वांगचुक को गिरफ्तार कर लिया गया एवं उनके ऊपर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगा दिया गया। इस कानून के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति को बिना जमानत के एक वर्ष तक रखा जा सकता है। इस कार्रवाई के विरुद्ध सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने सुप्रीम कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की। अब तक 24 बार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई एवं इनमें से कई बार सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंग्मो स्वयं भी उपस्थित रहीं ।

मैने इसी समाचार पत्र में 7 अक्टूबर, 2025 को संपादकीय में सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के समय एक लेख लिखा था। उस लेख में विस्तार से इस बात का उल्लेख किया गया था कि सोनम वांगचुक को कितने प्रकार के सम्मान पर्यावरण, शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए उन्हें मिल चुके हैं और कैसे सरकार ने स्वयं उनको सम्मानित किया है।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद और उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाए जाने पर उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो ने सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून उन पर लगाए जाने को भी चुनौती दी। सर्वोच्च न्यायालय में केंद्र सरकार लगातार यह कहती रही कि की वांगचुक की गतिविधियां राष्ट्र विरोधी थीं और वे राष्ट्र को खंडित करने का कार्य कर रहे थे। सरकार की ओर से अनेक दस्तावेज और उनके भाषण आरोपों के समर्थन में प्रस्तुत किए गये। अतः उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाया जाना बहुत उचित था। प्रारंभ में गीतांजलि को जोधपुर जेल में अपने पति से मिलने की अनुमति भी नहीं मिली, जो बाद में उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद संभव हो पाई।

केंद्र सरकार और मीडिया ने चार-पांच माह तक लगातार इस प्रकार का वातावरण बनाया जैसे सोनम वांगचुक देश को तोड़ने के काम में लगे हुए थे और 24 सितंबर का जो हिंसा लद्दाख में भड़की, जिस में चार निर्दोष छात्रों की मृत्यु हुई, उसकी जिम्मेदारी भी उन्हीं की थी।

सोनम वांगचुक की केवल एक ही गलती थी कि वे भारतीय जनता पार्टी को उनके खुद के द्वारा किए गए वादे को याद दिला रहे थे। भाजपा ने चुनाव के घोषणा पत्र में साफ लिखा था कि लेह लद्दाख को अलग राज्य बनाया जाएगा और उसे संविधान की छठवीं अनुसूची में सम्मिलित किया जाएगा। यह इसलिए आवश्यक था कि लद्दाख सीमावर्ती क्षेत्र है और पर्यावरण दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण भी है। वहां के लोगों की आजीविका का प्रमुख साधन पशुपालन है। यदि लद्दाख को छठवीं अनुसूची में शामिल कर लिया जाता तो वहां की भूमि के निस्तारण के संबंध में स्थानीय लोगों की भूमिका बढ़ जाती है । शायद यही कारण था कि केंद्र सरकार इसे न तो राज्य बनाना चाहती थी और न ही उसे छठवीं अनुसूची में सम्मिलित करना चाहती थी। जब केंद्र सरकार द्वारा अपने स्वयं के वायदे पूरे नहीं किया जा रहे थे तो लद्दाख के लोगों के पास आंदोलन करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। सोनम वांगचुक इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे और यह आंदोलन पूर्णतया अहिंसक था। युवा पीढ़ी के सब्र की भी एक सीमा होती है। दिनांक 24 सितंबर, 2025 को पुलिस द्वारा आंदोलनरत युवाओं पर बल प्रयोग किया गया जिसके बाद हिंसक घटनाएं हुईं। पुलिस की गोली से चार युवाओं की मौत हो गई। जैसे ही अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को इसके बारे में पता लगा, उन्होंने अपना अनशन तत्काल समाप्त किया और लोगों से आंदोलन को अहिंसक बनाए रखने की अपील की। वे महात्मा गांधी के रास्ते पर चलने की बात सदैव अपने हर संबोधन में करते रहे । इस सबके बाद क्या सोनम वांगचुक पर हिंसा भड़काने और देश की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने का आरोप लगाना उचित था?

स्थानीय जिला प्रशासन, जिसमें जिला मजिस्ट्रेट, जिला पुलिस अधीक्षक व अन्य अधिकारी सम्मिलित हैं, ने पूरा निराधार प्रकरण बनाते हुए वांगचुक को अचानक गिरफ्तार कर जोधपुर जेल भेज दिया। जब सुप्रीम कोर्ट ने कई सुनवाईयों के पश्चात जिन वीडियो के आधार पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाया गया उन्हें देखने एवं उन्हें प्रस्तुत करने के लिए 17 मार्च को अंतिम तिथि दी, तो सरकार को लगा कि उनके झूठे मुकदमे की पोल शायद खुलने वाली है । सरकार ने आनन फानन में, सुप्रीम कोर्ट की डांट-फटकार से बचने के लिए एवं उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को निरस्त किए जाने की शर्मिंदगी से बचने के लिए 14 मार्च, 2026 को अचानक भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने सोनम वांगचुक के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का मुकदमा वापस लेते हुए उन्हें जोधपुर जेल से रिहा करने के आदेश दे दिए। उन्हें रिहा कर भी दिया गया है।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में हुई देरी भी अक्षम्य है । यदि सुप्रीम कोर्ट प्रारंभ में ही उन दस्तावेजों को देख लेता, जिनके आधार पर केस बनाया गया तो शायद 6 माह तक वांगचुक को जेल में बंद नहीं रहना पड़ता । विलंब से हुआ न्याय, अन्याय से काम नहीं है । यही बात वांगचुक के प्रकरण में लागू होती है।

सोनम वांगचुक की तो रिहाई हो गई है, किंतु इस प्रकरण से कुछ प्रश्न अवश्य उत्पन्न होते हैं, जिन पर विचार करना आवश्यक है।

ऐसा कहा जाता है कि पुलिस किसी के भी विरुद्ध केस बना सकती है। कई बार प्रतिबंधित वस्तुएं जैसे अफीम आदि को किसी के घर में स्वयं रखकर, उसे वहां से बरामद दिखाते हुए, लोगों को फंसा लेती है । इस प्रकार की मनोवृत्ति, अब सरकार द्वारा उन लोगों के विरुद्ध काम में ली जाने लगी है जो सरकार का विरोध करते हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार के निर्णय का विरोध करने के कारण किसी के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून जैसा कड़ा कानून लगा देना, किसी भी दृष्टि से उपयुक्त नहीं कहा जा सकता है। यह न केवल गैर कानूनी है अपितु अनैतिक भी है।

सरकार यह बहाना ले सकती है कि यदि वह निर्दोष है तो अदालत द्वारा बरी कर दिया जाएगा, किंतु जब तक अदालत द्वारा निर्णय होगा तब तक कई महीने और साल निकल चुके होंगे। यदि उसके बाद वह निर्दोष सिद्ध हो भी गया तो संबंधित व्यक्ति द्वारा जितना समय जेल में बताया गया और जितनी प्रताड़ना उसे जेल में झेलनी पड़ी, उसकी भरपाई कोई भी कैसे कर पाएगा?

पूरी ट्रायल चलने के बाद तो कई लोग बरी होते हैं, किंतु जो केस प्रारंभिक स्तर पर ही गलत बनाया गया हो और उसे निराधार मान कर आरोपी को न्यायालय द्वारा दोषमुक्त घोषित कर दिया जाय तो यह निष्कर्ष निकालना गलत नहीं होगा कि उस व्यक्ति को गलत रूप से फंसाने की कार्रवाई की गई है। इस प्रकार की कार्रवाई सामान्यतः विपक्षी दलों के नेताओं पर होती हुई देखी जा रही है या उन लोगों पर होती हुई देखी जा रही है जो सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता हैं किंतु सत्ताधारी दल की विचारधारा के विरोध में काम करते हैं। क्या वैचारिक स्तर पर अलग विचार रखना, किसी लोकतंत्र में अपराध मान लिया जाएगा? इसी प्रकार की कार्यवाही उस समय भी देखी गई थी जब झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विरुद्ध किसी भूमि के प्रकरण में सीबीआई ने मुकदमा दर्ज किया और न्यायालय ने प्रारंभिक सुनवाई में ही यह मान लिया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का इस भूमि से कोई लेना देना नहीं था। चुनाव से पहले किसी निर्वाचित मुख्यमंत्री के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई करना नितांत अनुचित था । अरविंद केजरीवाल पर भी शराब कांड के नाम पर ईडी, सीबीआई आदि में प्रकरण दर्ज किए गए किंतु न्यायालय ने यह माना कि उनके विरुद्ध आरोप निर्धारित होने लायक भी प्रकरण नहीं है। किंतु ऐसा मानने में जो समय निकल गया, उसके कारण जो मीडिया में ट्रायल हुआ और छवि को जो क्षति पहुंची, उसकी पूर्ति किसी भी प्रकार से संभव नहीं है ।

सोनम वांगचुक के प्रकरण में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं था। उन्होंने अपने भाषणों में केवल यह कहा था कि यदि सरकार समय पर कार्रवाई नहीं करेगी तो वैसी स्थिति बन सकती है जैसी नेपाल या बांग्लादेश में बनी थी। केवल यह कह देने से, यह निष्कर्ष निकालना कि वह हिंसा के लिए भड़का रहे थे और देश को विभाजित करने की बाद कर रहे थे, सही नहीं है । इससे कहीं अधिक उत्तेजनात्मक एवं समाज को तोड़ने वाले भाषण तो सत्ताधारी दल के बहुत से नेता और तथाकथित धर्म गुरु भी निरंतर देते रहे हैं किंतु उनके विरुद्ध सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती क्योंकि वे सत्ताधारी दल से संबंधित हैं।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में हुई देरी भी अक्षम्य है । यदि सुप्रीम कोर्ट प्रारंभ में ही उन दस्तावेजों को देख लेता, जिनके आधार पर केस बनाया गया तो शायद 6 माह तक वांगचुक को जेल में बंद नहीं रहना पड़ता । विलंब से हुआ न्याय, अन्याय से काम नहीं है । यही बात वांगचुक के प्रकरण में लागू होती है। उनकी पत्नी जो स्वयं अच्छी पर्यावरण विद् हैं, ने किस प्रकार 170 दिनों तक सामाजिक और कानूनी प्रताड़ना झेली है, यह वही जानती हैं। वांगचुक द्वारा जेल में बिताए गए 170 दिनों की क्षितपूर्ति कौन और कैसे करेगा? क्या सरकार वांगचुक से सार्वजनिक माफी मांगेगी? जिन अधिकारियों ने झूठा प्रकरण बनाया और वांगचुक को जेल में रखा और फिर भी अपनी गलत बात पर खड़े रहे, उनके विरुद्ध क्या आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाएगा तथा ऐसा करने का दुस्साहस भविष्य में किसी को ना हो?

आशा की जानी चाहिए कि सोनम वांगचुक के प्रकरण से सबक लेते हुए सरकार अब किसी भी व्यक्ति को झूठे केस में फंसने की सोच से बचेगी और केवल राजनीतिक विरोधियों को ठिकाने लगाने के लिए अपने अधिकारों का दुरुपयोग नहीं करेगी। इसी प्रकार अधिकारी भी केवल राजनीतिक आकाओं की इच्छा के अनुसार सभी अनुचित काम करने के लिए अब शायद तैयार न हों। उनसे अपेक्षा है कि वे संविधान एवं कानून की भावना के अनुसार काम करें।

सरकार ने केवल अपनी ताकत दिखाने के चक्कर में लद्दाख जैसे शांत क्षेत्र को हिंसा की ओर धकेल दिया और वांगचुक जैसे देशभक्त, पर्यावरण विद् और शिक्षाविद को जेल के सीखचों के पीछे डाल दिया। इस सबके बावजूद गीतांजलि ने धैर्य का परिचय दिया और ऐसा कोई बयान नहीं दिया जिससे हिंसा को फैलाने का अवसर मिले।

केंद्र सरकार को चाहिए कि वह शीघ्र ही लद्दाख को राज्य बनाकर छठवीं अनुसूची में डालें ताकि व्यावसायिक, विस्तारवादी सोच के लोग वहां के पर्यावरण को नष्ट करके पशुपालकों की भूमि को हथियाने की कार्रवाई न कर सकें।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

जनजातीय विकास : राजस्थान में समावेशी प्रगति की नई दिशा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता देते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, संस्कृति संरक्षण और पर्यटन क्षेत्रों में कई पहलें शुरू की हैं

बाबूलाल खराड़ी

राजस्थान अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता है। इस विविधता में जनजातीय समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। लंबे समय तक भौगोलिक दूरी, सीमित संसाधनों और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के कारण यह समाज विकास की मुख्यधारा से कुछ हद तक दूर रहा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, संस्कृति संरक्षण और पर्यटन के क्षेत्रों में अनेक महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं। इन पहलों का उद्देश्य जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना भी है।

किसी भी समाज के विकास की आधारशिला शिक्षा होती है। इसी दृष्टि से जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा के विस्तार के लिए आश्रम छात्रावासों, आवासीय विद्यालयों और एकलव्य मॉडल विद्यालयों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया है। वर्तमान में प्रदेश में 445 आश्रम छात्रावास, 8 बहुउद्धेश्य छात्रावास, 13 खेल अकादमी, 13 कॉलेज छात्रावास और 57 आवासीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं, जिनमें लगभग 46500 हजार से अधिक जनजातीय छात्र-छात्राएँ अध्ययन कर रहे हैं। इसके साथ ही 3267 माँ-बाड़ी केंद्रों के माध्यम से करीब 90 हजार बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा प्रदान की जा रही है।

शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने छात्र-छात्राओं के लिए मिलने वाले मैस भत्ते में भी वृद्धि की है। छात्रावासों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए यह राशि 2500 रुपये को बढ़ाकर 3250 रुपये प्रतिमाह किया गया है। खेल अकादमियों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए भत्ता 2600 रुपये से बढ़ाकर 4000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। शैक्षिणक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए कक्षा 10वीं और 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले जनजातीय विद्यार्थियों की प्रोत्साहन राशि 5000 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा और जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहन राशि 8000 रुपये तथा और परीक्षा उत्तीर्ण करने वालों के लिए 10 हजार रुपये निर्धारित किए गए हैं।

इन प्रयासों का उद्देश्य जनजातीय युवाओं को उच्च शिक्षा और पेशेवर क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। बाल विकास और पोषण को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार ने 244 नए माँ-बाड़ी केंद्र स्थापित किए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से छोटे बच्चों को पोषण और प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही यहाँ कार्यरत कर्मचारियों के मानदेय में लगातार दो वर्षों से 10-10 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि की गई है।

स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता जनजातीय क्षेत्रों में हमेशा एक चुनौती रही है। इस समस्या के समाधान के लिए एक अभिनव पहल के रूप में पारंपरिक जड़ी-बूटी विशेषज्ञों या 'गुणीजनों' को स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इन्हें प्रशिक्षित कर आधुनिक चिकित्सा संस्थानों से जोड़ा जा रहा है ताकि वे मरीजों और डॉक्टरों के बीच सेतु का कार्य कर सकें। टेलीमेडिसिन की सहायता से दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। उदयपुर, सिरोही और बांसवाड़ा जिलों में इस मॉडल का पायलट रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है।

जनजातीय समाज की आजीविका का प्रमुख आधार कृषि, पशुपालन और वनोपज है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार ने कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। प्रदेश के 16 लाख 65 हजार जनजातीय किसानों को मुफ्त संकर मक्का बीज वितरित किए गए हैं। पिछले दो वर्षों में 2 लाख 36 हजार मिनीकिट भी किसानों को उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त हाइब्रिड सब्जी बीज मिनीकिट भी वितरित किए जा रहे हैं।

वन आधारित आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए प्रदेश के आठ जिलों में 530 वन धन विकास केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनसे डेढ़ लाख से अधिक महिलाएँ जुड़ी हुई हैं। इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय वनोपज के प्रसंस्करण और विपणन की सुविधा उपलब्ध हो रही है। इससे जनजातीय महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिल रही है। युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत लगभग 5 हजार जनजातीय युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया गया है। खेलों के क्षेत्र में भी जनजातीय युवाओं ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। हाल ही में एशियन लेक्रोस प्रतियोगिता में जनजातीय खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है।

जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए भी राज्य सरकार ने विशेष पहल की है। बजट में सौंध माटी आदि धरोहर प्रलेखन योजना की घोषणा की गई है। इसके अंतर्गत जनजातीय कला, संगीत, चित्रकला, पाक परंपराओं और ऐतिहासिक स्थलों का दस्तावेजीकरण किया जाएगा। उदयपुर स्थित ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट में स्थापित 'बनफूल डिजाइन स्टूडियो' के माध्यम से जनजातीय कलाकारों की कलाकृतियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। जनजातीय क्षेत्रों को पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट के तहत त्रिपुरा सुंदरी मंदिर, मानगढ़ धाम, बेणेश्वर धाम, सीतामाता अभयारण्य, ऋषभदेव मंदिर और गौतमेश्वर जैसे धार्मिक-ऐतिहासिक स्थलों को जोड़ा जा रहा है। इससे स्थानीय संस्कृति को वैश्विक पहचान मिलेगी और पर्यटन के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे, विशेष रूप से बांसवाड़ा और डूंगरपुर जैसे जिलों में। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का समन्वय भी जनजातीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत राजस्थान के 37 जिलों के 208 ब्लॉकों के 6019 गांवों में सड़क, आवास, पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही आदि कर्मयोगी अभियान के माध्यम से हजारों कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य बजट में भी जनजातीय समाज के कल्याण को प्राथमिकता दी गई है। विशेष रूप से सहरिया, खैरवा और कथौड़ी जनजाति के परिवारों के लिए पोषण सहायता योजना को पारदर्शी बनाते हुए पात्र परिवारों की महिला मुखिया के खाते में प्रतिमाह 1200 रुपये भेजने की व्यवस्था की गई है। वन क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय परिवारों को व्यक्तिगत और सामुदायिक वन अधिकार पट्टे दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

राजस्थान सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्रों में किए जा रहे ये प्रयास जनजातीय क्षेत्रों को विकास की नई दिशा प्रदान कर रहे हैं। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से आने वाले वर्षों में जनजातीय क्षेत्र आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास का एक सशक्त उदाहरण बन सकते हैं।

बाबूलाल खराड़ी,
जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री, राजस्थान।

राजस्थान के अशांत क्षेत्रों से पलायन रोकने के लिए नया कानून

सूर्यप्रतापसिंह राजावत.

भारत के संविधान में मौलिक अधिकारों के अनुच्छेद 19 में स्वतंत्रता के अधिकार का प्रावधान है, जिसमें भारत के नागरिकों को देश के किसी भी हिस्से में रहने और बसने का अधिकार शामिल है। यह अधिकार पूर्ण नहीं है; बल्कि आम जनता के हित में इस अधिकार के प्रयोग पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। मीडिया में यह व्यापक रूप से बताया गया है कि राजस्थान अचल संपत्ति हस्तांतरण निषेध और अशांत क्षेत्रों में परिसर से किरायेदारों को बेदखली से सुरक्षा का प्रावधान अधिनियम, 2026 नामक एक अधिनियम संपत्ति के हस्तांतरण को प्रतिबंधित करने वाला माना जा रहा है।

इस बात पर व्यापक बहस होती रही है कि यह पहला ऐसा कानून है जो संपत्ति के हस्तांतरण पर प्रतिबंध लगाता है। लेकिन देश के मौजूदा कानून की स्थिति यह है कि संपत्ति के उपभोग-जिसमें संपत्ति का हस्तांतरण भी शामिल है-का नियमन संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम (Transfer of Property Act) के साथ-साथ अन्य कानूनों द्वारा भी किया जाता है; इन अन्य कानूनों में संविदा अधिनियम (Contract Act), राजस्थान राजस्व अधिनियम, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, पंजीकरण अधिनियम आदि शामिल हैं। अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति से संबंधित व्यक्तियों के स्वामित्व वाली किसी भी भूमि को, ऐसे व्यक्तियों को बेचा या हस्तांतरित नहीं किया जा सकता जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित नहीं हैं। इसी प्रकार, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के अंतर्गत आने वाली भूमि की प्रकृति में भी कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता। इसके अतिरिक्त, जनजातीय उप-योजना (Tribal Sub-Plan) और गैर-जनजातीय उप-योजना क्षेत्रों के अंतर्गत संपत्ति के हस्तांतरण को विनियमित करने वाले ऐसे प्रावधान भी मौजूद हैं, जिन्हें भारत के संविधान द्वारा भली-भांति मान्यता प्रदान की गई है तथा जिनका नियमन राष्ट्रपति और राज्यपाल के आदेशों द्वारा किया जाता है।

अधिनियम 2026 में एक शब्द है जिसे अशांत क्षेत्र (Disturbed Area) कहा गया है। इस शब्द को लेकर काफी हंगामा मचा हुआ है, मानो यह कोई नया शब्द हो; जबकि यह बात भली-भांति ज्ञात है कि प्रत्येक जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के कार्यालयों के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपने-अपने जिले में संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एक सर्वेक्षण करें। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि जनता के हित में कानून-व्यवस्था को बनाए रखा जा सके। संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने की इस प्रक्रिया का उद्देश्य, पुलिस अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कानून-व्यवस्था को सुरक्षित रखना है, ताकि भारत के संविधान द्वारा नागरिकों को दिए गए मौलिक अधिकारों का वे निर्बाध रूप से उपभोग कर सकें।

अधिनियम 2026 समाज के एक खास तबके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक और तरीके से निपटता है, जो राजस्थान के जनसांख्यिकीय संतुलन और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा पैदा करता है। इसलिए, अधिनियम 2026 का मकसद गलत तरीके से लोगों के एक जगह जमा होने को रोकना है; इसका मतलब है किसी एक समुदाय का ज़बरदस्ती या मजबूरी में एक ही जगह पर इकट्ठा हो जाना, जिससे सांप्रदायिक तनाव पैदा हो सकता है या उन इलाकों का मिश्रित-समुदाय वाला चरित्र खत्म हो सकता है। अधिनियम का मकसद अशांत इलाकों में अचल संपत्तियों के किराएदारों को बेदखली से सुरक्षा देना भी है। भारत के संविधान में बंगाल के नोआखली दंगों का जो चित्रण है-जिसमें महात्मा गांधी शांति स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं-वह हमें लगातार यह याद दिलाता है कि देश को और अधिक विभाजित करने के किसी भी प्रयास को शुरू में ही कुचल देना आवश्यक है। इस चित्रण पर संविधान सभा के सभी माननीय सदस्यों ने विधिवत हस्ताक्षर किए थे। हम, भारत के लोग, विभाजन की विभीषिका को; गणतंत्र भारत में कश्मीर में हुए नरसंहार को; और राजस्थान के विभिन्न जिलों सहित भारत के अनेक हिस्सों से बहुसंख्यक समुदाय की आबादी के हो रहे निरंतर सामूहिक पलायन को न तो भूल सकते हैं और न ही हमें भूलना चाहिए। यह सामूहिक पलायन कोई आकस्मिक घटना नहीं है; बल्कि यह एक सोची-समझी योजना का परिणाम है। इसके फलस्वरूप तनावपूर्ण बिक्री (distress sale) की स्थिति उत्पन्न होती है; अतः यह अधिनियम उस सामाजिक बुराई का निवारण करना चाहता है, जिसे सहमति का निर्माण (manufacturing consent)- नाओम चॉम्स्की द्वारा गढ़ा गया एक शब्द-के रूप में वर्णित किया जा सकता है। उपर्युक्त तथ्य को ध्यान में रखते हुए, यह कहना कि कलेक्टर को किसी क्षेत्र को मनमाने ढंग से अशांत क्षेत्र घोषित करने का अधिकार है, इस अधिनियम की गलत और चुनिंदा व्याख्या है। यह समझना भी अधिनियम की गलत व्याख्या है कि कलेक्टर के पास असीमित शक्तियाँ हैं। ऐसे निष्कर्ष किसी कानूनी दस्तावेज़ को बिना पूरी जानकारी के पढ़ने का ही परिणाम हैं। यह अधिनियम एक समय-सीमा के भीतर प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को सुनिश्चित करने के लिए एक पूर्ण तंत्र प्रस्तुत करता है। अपील और पुनरीक्षण (रिवीजन) के प्रावधान, भारत के संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों के अनुरूप, समानता और न्याय की गारंटी देते हैं।

विशेष जांच दल (Special Investigation Team) का गठन, अधिनियम 2026 के कार्यान्वयन में औचित्य को और अधिक सुदृढ़ करता है। इसकी भूमिका में सरकार को किसी भी क्षेत्र को अशांत क्षेत्र घोषित करने से पूर्व राय बनाने में सहायता करना; सक्षम प्राधिकारी को, मंजूरी प्रदान करने से पूर्व उसके द्वारा संदर्भित मामलों की जांच करने में सहायता करना; तथा समुदाय के व्यक्तियों के उचित समूहीकरण (clustering) के संबंध में आवश्यक जानकारी एकत्र करने में निगरानी और सलाहकार समिति की सहायता करना शामिल है।

यह अधिनियम 2026 एक ऐसा कानून है, जिसका उद्देश्य भारत के निवासी नागरिकों को राजस्थान में रहने और ठहरने की स्वतंत्रता का आनंद लेने के अधिकार की रक्षा करना है; साथ ही, यह उचित प्रतिबंधों के माध्यम से किरायेदारों के अधिकारों को नियंत्रित, विनियमित, पर्यवेक्षित और मॉनिटर करने तथा राजस्थान के विभिन्न जिलों के संवेदनशील एवं अशांत क्षेत्रों में होने वाले बड़े पैमाने पर पलायन को रोकने का भी प्रयास करता है।

–सूर्यप्रतापसिंह राजावत,
अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यालालय

राशिफल मंगलवार 17 मार्च, 2026

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, शतभिषा नक्षत्र बुधवार प्रातः 6:09 तक, सिद्ध योग प्रातः 8:15 तक, वणिज करण प्रातः 9:23 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा प्रातः 9:23 से 8:55 तक है। आज मास शिवरात्री, पंचक, वारूणी पर्व प्रातः 9:23 तक है। आज शबे कदर (मु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:37 से 11:06 तक, लाभ-अमृत 11:06 से 2:05 तक, शुभ 3:34 से 5:03 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:36, सूर्यास्त 6:33

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कुंभ

व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

गैस संकट पर केन्द्र सरकार पर जमकर बरसे कांग्रेस नेता, किया मौन सत्याग्रह

राजगढ़ धाम में 19 से चैत्र नवरात्रा मेला

नसीराबाद, (निसं)। राजगढ़ स्थित मसाणिया भैरव धाम पर 19 मार्च से 28 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाले चैत्र नवरात्रा मेला महोत्सव की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक बैठक आयोजित की गई। बैठक चम्पालाल महाराज के सानिध्य और उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी और धाम से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में धाम के व्यवस्थापक ओमप्रकाश सेन ने मेले की व्यवस्थाओं से जुड़े प्रमुख मुद्दे प्रशासन के समक्ष रखे। उपखंड अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि 24 मार्च को आयोजित होने वाले विशाल छठ मेले से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। इस दिन धाम पर लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। मेले को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस, यातायात, सड़क और चिकित्सा व्यवस्थाओं पर विशेष चर्चा की गई। भीड़ और जाम की स्थिति से बचने के लिए वाहनों की एकतरफा यातायात व्यवस्था लागू करने पर जोर दिया गया।

- पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ के नेतृत्व में महात्मा गांधी स्मारक पर उत्तर विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी बांध किया मौन सत्याग्रह
- गैस संकट से हाल बेहाल, हालत नहीं सुधरे तो सरकार का जीना कर देंगे हराम

गैस संकट पर कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी बांधकर किया प्रर्दशन।

अजमेर,(कासं)। घरेलू व कमर्शियल गैस सिलेंडर संकट व महंगाई के मुद्दे को लेकर सोमवार को पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ के नेतृत्व व शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉक्टर राजकुमार जयपाल की अध्यक्षता में उत्तर विधानसभा के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी स्मारक पर दो घंटे का मौन सत्याग्रह किया। सभी कार्यकर्ताओं ने बाहों पर काली पट्टी बांधी और केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ अपना जमकर गुबार निकाला। मौन सत्याग्रह के दौरान रामधुन भी चलती रही। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कार्यकर्ताओं के काली पट्टी बांधी और सत्याग्रह प्रदर्शन में बैठाया।

सत्याग्रह के दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गलत विदेश नीति के कारण देश में तेल और गैस संकट के हालात पैदा हो गए है। पीएम मोदी ने जो भी देश की जनता से वादे किए, वो वादे पूरे नहीं किए। गैस संकट पर देश के बिगड़े हालात पर पीएम मोदी को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोलते कहा कि अमेरिका, इजरायल व ईरान युद्ध के दौरान केंद्र की विदेश नीति पूरी तरह से फेल साबित हुई है। गैस के संकट के दौर में घरेलू व कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए और देश की जनता सिलेंडर लेने के लिए लाइनों में खड़ी है। गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी के खिलाफ सरकार ठोस कदम नहीं उठा पा रही है, जिससे विकट हालात बनते जा रहे है। सरकार को चाहिए कि जल्द गैस व तेल की किल्लत को दूर जनता को राहत प्रदान करे। अन्यथा कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी और केंद्र और राज्य सरकार का जीना हराम कर देगी। कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता सरकार की ईट से ईट बजा देगा।

इस मौन सत्याग्रह प्रदर्शन में शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉक्टर राजकुमार जयपाल, डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी, प्रदेश सचिव डॉक्टर सुनील लारा, पूर्व विधायक डॉक्टर श्रीगोपाल बाहेती, महेंद्र सिंह रलावता, द्रौपदी कोली व राजेश टंडन आदि नेताओं ने संबोधित कर केंद्र सरकार पर गुबार निकाला और गैस संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया।

सत्याग्रह विरोध प्रदर्शन में फखरे मोइन, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल, गजेंद्र सिंह रलावता, प्रताप यादव, हेमंत जोधा, गणेश चौहान, नवीन कछावा, निमेष चौहान, राजा जैन, चितलेश बंसल, राजकुमार गर्ग, शहनाज आलम, सुरजीत कपूर, मनीष सेन, तनवीर गुर्जर, अंकित घारू, डॉक्टर एसडी मिश्रा, अशोक सुकरीया, उमेश शर्मा, विकास चौहान, अशरफ अली, अनीस खान, प्रिंस ओबिडाया, मुकेश सबलानिया सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गुलाबपुरा स्थापना दिवस पर विशाल मिर्गी जांच शिविर

गुलाबपुरा के स्थापना दिवस पर मिर्गी रोग जांच शिविर, जागरूकता संगोष्ठी और प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

गुलाबपुरा(निसं)। श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति, गुलाबपुरा के स्थापना दिवस के अवसर पर संस्था परिसर में विशाल मिर्गी रोग जांच शिविर, जागरूकता संगोष्ठी और प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक जब्बर सिंह सांखला, समारोह अध्यक्ष मूलचंद नाबेड़ा, मुख्य अतिथि दिलीप मेहता, समारोह गौरव राजेन्द्र लोढ़ा, मुख्य वक्ता महावीर चौधरी, विशिष्ट वक्ता डॉ. आर.के. सुरेखा तथा स्वागताध्यक्ष रणजीत सिंह कुमठ की उपस्थिति में हुआ। शिविर में डॉ. आर.के. सुरेखा व उनकी टीम, डॉ. आर.के. चंडक, डॉ. जी.एल. गुप्ता तथा डॉ. भागीरथ मीणा ने 223 मरीजों की जांच कर उन्हें नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया। इस अवसर पर अतिथियों ने संस्था के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए मरीजों को नियमित दवा लेने और चिकित्सकीय निर्देशों का पालन करने की सलाह दी।

मानद प्राध्यापक मेडिकल कॉलेज इंदौर की डॉ. अपूर्वा पौराणिक ने वीडियो संदेश के माध्यम से संस्था की गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए इसे रिसर्च सेंटर के रूप में मान्यता दिलाने के लिए राजनीतिक समर्थन की आवश्यकता बताई। मुख्य वक्ता महावीर चौधरी ने संस्था के कार्यों को मानव सेवा की मिसाल बताया। कार्यक्रम के दौरान शिविर में सेवा देने वाले चिकित्सकों, पत्रकारों और सहयोगी सदस्यों का सम्मान भी किया गया। विधायक जब्बर सिंह सांखला ने संस्था के कार्यों से प्रभावित होकर परिसर में हाल निर्माण की घोषणा की।

सार-समाचार

राजस्थान दिवस पर बनायेंगे आकर्षक रंगोली

अजमेर,(कासं)। लायंस क्लब अजमेर पृथ्वीराज द्वारा राजस्थान स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डिस्ट्रिक चीफ मीडिया कॉर्डिनेटर लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि आमजन को राजस्थान के गौरवशाली इतिहास, यहां की लोक कलाएं, समृद्ध संस्कृति से रु ब रु कराने को लेकर 17 मार्च मंगलवार को वैशालीनगर स्थित अर्बन हाट बाजार में ड्रीम इंडिया स्कूल के बच्चों द्वारा आकर्षक रंगोली बनाई जाएगी। यहां चल रहे मेले में आने वाले लोगों को राजस्थान के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराया जाएगा। क्लब अध्यक्ष लायन सुनील शर्मा ने बताया कि नया बाजार स्थित अजमेर के किले के बाहर पर्यटकों को गुलाब का फूल देकर स्वागत करते हुए उन्हें राजस्थान के लोगों की वीरता, दृढ़ इच्छा शक्ति , बलिदान को याद कराया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक लायन आभा गांधी ने बताया कि 24 मार्च से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटडा में राजस्थान के इतिहास पर चित्रकला, स्लोगन एवं निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जाएगी। श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

रेलवे सुरक्षा बल ने एक वर्ष में 235 बच्चों को किया सुरक्षित रेस्क्यू

अजमेर, (कासं)। अजमेर मंडल में यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं। इन्हीं अभियानों में एक महत्वपूर्ण मानवीय पहल 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' भी है, जिसके माध्यम से रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में संकटग्रस्त बच्चों को सुरक्षित बचाकर उनके परिजनों से मिलाने का कार्य किया जाता है। मंडल सुरक्षा आयुक्त दीपक कुमार आजाद के निर्देशन में अजमेर मंडल की सभी रेलवे सुरक्षा बल चौकियों द्वारा वर्ष 2025 के दौरान कुल 235 बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। इन बच्चों को आवश्यक प्रक्रिया के बाद अधिकृत गैर सरकारी संगठनों, जिला बाल कल्याण समिति तथा उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। बचाए गए बच्चों में अधिकांश उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों के पाए गए। रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस अभियान का उद्देश्य उन बच्चों की पहचान कर उन्हें सुरक्षित बचाना है, जो किसी कारणवश अपने घरों से भटक गए हों, घर से भाग गए हों या मानव तस्करी जैसे अपराधों के खतरे में हों। रेलवे सुरक्षा बल के जवान रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में अकेले या संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे बच्चों पर विशेष निगरानी रखते हैं और उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू करते हैं। बचाए गए बच्चों को जिला बाल कल्याण समिति या संबंधित संस्थाओं के माध्यम से काउंसलिंग के बाद उनके माता-पिता या अभिभावकों तक सुरक्षित पहुंचाया जाता है।

भाजपा प्रशिक्षण शिविर की कार्यशाला सम्पन्न

रूपनगढ़,(निसं)। आगामी 21 व 22 मार्च को भारतीय जनता पार्टी के देशव्यापी प्रशिक्षण शिविर हेतु आज यहां रूपनगढ़ मण्डल की कार्यशाला मण्डल अध्यक्ष रणजीत सामरिया की अध्यक्षता व वरिष्ठ भाजपा नेता डी सी वी किरण के निर्देशन में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में डी सी वी किरण व शिविर संयोजक राजेन्द्र ओझा ने अपने संबोधन में प्रशिक्षण शिविर की उपयोगिता पर प्रकाश डाला व सभी अपेक्षित कार्यकर्ताओं से निर्धारित समय पर वैष्णव समाज भवन पर 21 मार्च को सायं 4.30 बजे पहुंचने का आव्हान किया। मण्डल अध्यक्ष रणजीत सामरिया ने शिविर के लिए पंजीकरण, आवास, भोजन आदि की व्यवस्था हेतु कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी। आज कार्यशाला में वरिष्ठ भाजपा नेता डी सी वी किरण, जिला मंत्री राजेन्द्र ओझा, मण्डल अध्यक्ष रणजीत सामरिया, पूर्व सरपंच व जिला कार्यकारिणी सदस्य छोटू गूजर, पूर्व सरपंच भगवान दास लखन, जिला कार्यकारिणी सदस्य मूलचंद रायका मंडल उपाध्यक्ष मनोहर सिंह जाजोता, मण्डल महामंत्री छोटू शर्मा, नगर अध्यक्ष बिरदी चन्द कुमावत, आशीष राजपुरोहित, मनोहर सिंह, राजू थाकण, जगदीश सेन, पंकज नगरिया, हेमंत खारवाल, मुकेश प्रजापत, मुकेश सारण, सोहन जाट व करतार भादू सहित आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेगर समाज का होली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित

बिजयनगर,(निसं)। स्थानीय मां गंगा छात्रावास में रविवार को रेगर समाज का होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। अखिल भारतीय रेगर समाज सुधारक समिति (परगना मसूदा) और क्षेत्रीय समिति विजयनगर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में समाज के लोगों ने भाग लिया। समारोह का शुभारंभ परगना अध्यक्ष धन्नालाल मुणोत, छात्रावास अध्यक्ष सीताराम पंवार और अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। समाज बंधुओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली और शीतला सप्तमी की बधाई दी। कार्यक्रम मे सीताराम पंवार का निर्विरोध सर्वसम्मति से पुन: छात्रावास अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी।

'अजमेर को बजट में मिली कई सौगातें, विकास की राह पर तेजी से बढ़ेगा शहर'

- पत्रकार होली मिलन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने साझा की खुशियां

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की ओर से सोमवार को एक होटल में पत्रकारों के साथ होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने पत्रकारों के साथ रंगों के पावन पर्व की खुशियां साझा करते हुए सभी को होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में शहर के कई पत्रकार और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि होली आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का पर्व है। इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मकता और आपसी संवाद को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज और सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं।

इस दौरान ने देवनानी ने कहा कि वर्ष 2025-26 का बजट अजमेर के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। इस बजट में अजमेर शहर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं, जिससे आने वाले समय में शहर के विकास को नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अजमेर को विकास की अनेक महत्वपूर्ण सौगातें दी हैं, जिनसे शहर के आधारभूत ढांचे और सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा।

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि बजट में अजमेर के लिए कई विकास कार्यों को स्वीकृति दी गई है। इनमें प्रमुख रूप से क्षेत्र में पुष्कर घाटी सड़क चैड़ीकरण कार्य, माकड़वाली क्षेत्र में नई पुलिस चैकी की स्थापना, पुस्तकालय का निर्माण तथा स्वागत द्वार का निर्माण शामिल है।

इसके साथ ही बोराज तालाब की मरम्मत, शहर में पानी की निकासी की बेहतर व्यवस्था, चिकित्सा व शिक्षा के क्षेत्र में सुविधाओं का विस्तार तथा विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने जैसे कार्य भी बजट में शामिल किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों के पूरा होने से अजमेर के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और शहर तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर होगा। सरकार का उद्देश्य है कि अजमेर को शिक्षा, पर्यटन और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनाया जाए।

NAME CHANGE

I Dan Singh, Father of Army No. 18017393M, Nk, Mukesh Singh Bhandari, Residing at Udali, Sukhidhang, Purnagiri, Champawat, U.K. 262523 have change my dob from 01/01/1968 to 01/01/1969 vide affidavit no. CF 240128 dt 13/03/2026 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I, Army No-15789746F, HAV (DMT) MD SOHAIL ALAM. of 501 AD MSL REGT (MRSAM) C/O 56 APO. Munger. Bihar. 811202 .have changed my daughter name from NADIA PARWEEN to NADIYA PARWEEN in my army service records. aff-CF 347479. date-14 March 2026. Before Notary Nasirabad court

NAME CHANGE

I, Army No-15789746F, HAV (DMT) MD SOHAIL ALAM.of 501 AD MSL REGT (MRSAM) C/O 56 APO. Munger. Bihar. 811202 .have changed my daughter name from SHAIBA PARWEEN to SAHIBA PARWEEN in my army service records. aff-CF 347480. date-14 March 2026. Before Notary Nasirabad court

नखराली गणगौर बनी आकर्षण, अग्रवाल महिला समिति ने निकाला ईसर-गणगौर का बिंदोरा

अजमेर, (कासं)। अग्रवाल महिला समिति की महिलाओं ने अध्यक्ष लेखा गर्ग के नेतृत्व में ईसर-गणगौर का बिंदोरा हर्षोल्लास के साथ निकाला। भक्ति, परंपरा और उल्लास के माहौल में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने सोलह श्रृंगार के साथ पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य के जरिए उत्सव की रंगत बढ़ाई।

समिति की सचिव अरुणा गर्ग ने बताया कि बिंदोरे में समिति की सदस्य

- बिंदोरे में समिति की सदस्य रश्मि गर्ग और रचना बंसल को ईसर-गणगौर स्वरूप में श्रद्धापूर्वक सजाकर सवारी निकाली गई

रश्मि गर्ग और रचना बंसल को ईसर-गणगौर स्वरूप में श्रद्धापूर्वक सजाकर सवारी निकाली गई। महिलाओं ने 'भंवर माने पूजन दो गणगौर' सहित पारंपरिक गीत गाते हुए और नृत्य करते हुए सुंदर झेलों के साथ उत्सव की शोभा बढ़ाई, जिससे पूरा वातावरण मंगलमय हो उठा।

कार्यक्रम में गणगौर थीम पर शालिनी गर्ग, विनीता प्रणामी, संगीता एरन, शिल्पी, रेनू, आशा अग्रवाल, अदिति और स्मृति गर्ग ने 'गोरे गणगौर माता', 'मिश्री से मीठी बात थारी' और 'खेलन दो गणगौर' जैसे गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। इस दौरान सोलह श्रृंगार और गणगौर के दोहों से जुड़े रोचक खेल भी आयोजित किए गए तथा गणगौर से संबंधित हाउजी खिलाई गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

झेले और ईसर-गणगौर सजाकर लाने वाली सभी सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही 'नखराली गणगौर', जिसे विशेष पुरस्कार से नवाजा गया।

आयोजन में संरक्षकगण के साथ विशिष्ट कार्यकारिणी सदस्य वर्षा फतेहपुरिया, सोना गर्ग, मीनाक्षी गोयल, सविता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नीलम अग्रवाल तथा कार्यकारिणी सदस्य अनुपमा अग्रवाल, सुमन गर्ग, तरुणा अग्रवाल, पूर्वी अग्रवाल, राजश्री बंसल, सोनू सिंगल, देवयानी गर्ग, ममता सिंगल और विमी बंसल सहित कई सदस्य उपस्थित रहीं।

अग्रवाल महिला समिति की महिलाओं ने ईसर-गणगौर का बिंदोरा हर्षोल्लास के साथ निकाला।

नए एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने संभाला पदभार

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने सोमवार को पदभार ग्रहण कर कामकाज संभाल लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने जिले के सभी सीओ और थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के निर्देश दिए। एसपी अग्रवाला ने कहा कि दरगाह और पुष्कर क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नशे के फैलाव का सबसे बड़ा कारण इसकी मांग है, इसलिए समाज को भी इसके खिलाफ जागरूक होकर सहयोग करना होगा। राज्य सरकार और पुलिस मुख्यालय की प्राथमिकताओं को जमीनी स्तर पर लागू करना पुलिस की पहली जिम्मेदारी रहेगी। पुलिस का ध्येय आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि अजमेर एक धार्मिक नगरी है और यहां धार्मिक सौहार्द बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता होगी, ताकि सभी त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हों।

शहर में बढ़ते वाहनों को देखते हुए यातायात व्यवस्था को भी बेहतर बनाने के लिए टीमवर्क के साथ काम किया जाएगा। अजमेर से पकड़े गए आतंकी आरोपी के मामले पर उन्होंने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति देश विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में अजमेर पुलिस, राजस्थान एटीएस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां लगातार समन्वय बनाकर जांच कर रही हैं।

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक -न.प.बि/निर्माण स्वी./2025/6664 **आम सूचना** दिनांक : 10.3.2026

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस मे मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाइल नं.	आवेदनकर्ता का नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का	प्रयोजनार्थ नाप
212	फतेह लाल माली पुत्र लालू राम माली	नाडी मोहल्ला आबादी प्लाट 03	195.09 SQ.MTR	आवासीय
213	रसोली देवी पत्नी रामलाल कुम्हार	गांधीनगर प्लाट नं. ए-42	81.93 SQ.MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक -न.प.बि/निर्माण स्वी./2025/6790 **आम सूचना** दिनांक : 16.3.2026

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस मे मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाइल नं.	आवेदनकर्ता का नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का	प्रयोजनार्थ नाप
218	रेहाना बानू पत्नी इसाक मोहम्मद	बद्री विशाल कॉलोनी बरल द्वितीय ख.सं. 2158/1136 भू.सं 24 का पश्चिमी हिस्सा	83.61 SQ.MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज.

गांधी उद्यान -ब्यावर रोड, बिजयनगर

टैलीफोन नम्बर 01462-230051 ई-मेल :-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक न.पा.बि/भूमि/2026/6796 आम सूचना दिनांक : 16.3.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कोलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेंगें। अत: इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो / प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें । समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र.सं	आवेदक क्रमांक	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू.सं	क्षेत्र
1.	LD/VJNR/ 2025-26/308441	1. नेहा कंवर भाटी पत्नी नरेन्द्र सिंह भाटी 2. नरेन्द्र सिंह भाटी पुत्र कान सिंह भाटी	मोती कॉलोनी बिजयनगर	551	02	174.25 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

ओटीपी की तकनीकी समस्या से गैस उपभोक्ता परेशान

नसीराबाद, (निसं)। गैस सिलेंडर बुकिंग के दौरान ओटीपी नहीं आने से उपभोक्ताओं को हो रही भारी परेशानियों और बुकिंग अवधि 45 दिन के बजाय 25 दिन करने की मांग को लेकर प्रशांत कुमार मेहरा (एडवोकेट), पूर्व पार्षद नगरपालिका नसीराबाद ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नाम उपखंड अधिकारी नसीराबाद को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि इन दिनों गैस उपभोक्ताओं को सिलेंडर लेने में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऑनलाइन बुकिंग की प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी कई उपभोक्ताओं के मोबाइल पर ओटीपी नहीं पहुंच रहा, जिसके कारण गैस एजेंसी से सिलेंडर प्राप्त नहीं हो पा रहा है। इससे उपभोक्ताओं में असंतोष और आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। गैस एजेंसी की गाड़ी आने पर बड़ी संख्या में उपभोक्ता सिलेंडर लेने पहुंचते हैं, लेकिन ओटीपी नहीं मिलने के कारण घंटों इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ता है। कई मामलों में उपभोक्ताओं को 6 से 8 घंटे बाद ओटीपी प्राप्त होता है, जिससे वितरण व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है और एजेंसियों के बाहर भीड़ लग रही है।

संस्कृति व संस्कारों से जोड़ने वाला कुटुम्ब सम्मेलन : भागीरथ चौधरी

- कुटुंब सम्मेलन से आने वाली नई पीढ़ी तैयार होती हैं:-सरिता गैना

ब्यावर में भाजपा द्वारा विशाल कुटुम्ब सम्मेलन का आयोजन किया गया।

ब्यावर (निसं)। होली के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ब्यावर विधानसभा द्वारा आयोजित ऐतिहासिक विशाल कुटुम्ब सम्मेलन में परिवार सहित सम्मिलित हुए कार्यकर्ताओ, जनसंघ से भाजपा की यात्रा के सभी वरिष्ठ नेता, शहर व ग्रामीण क्षेत्र के सर्व समाजों के साथ ही सभी संस्थाओं के अध्यक्ष व पदाधिकारियों सहित अजमेर जिला भाजपा की टीम ने सहभागिता की। कुटुंब सम्मेलन में सभी ने लज़ीज़ एवं चटपटे व्यजनों का आनंद लेते हुए महिलाओं, युगल और बच्चों ने खेलकूद प्रतियोगिताओं और हाऊजी गेम में बढ़चढ़ कर भाग लिया और सभी विजेताओं को पारितोषिक के रूप में गिफ्ट देकर उत्साहवर्द्धन किया। कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों, राजस्थानी गानों और होली के फाग गीतों का गान किया और प्रतिभागियों ने नृत्य किया। कार्यक्रम में चुटकुले सुनाकर कार्यकर्ताओ को हँसते हँसते लोटपोट कर दिया। देर रात्रि तक चले इस कार्यक्रम में जहाँ टेसू के फूलो से होली तो चंग की थाप पर गैरनृत्य का आन्दन लिया तो रात्रि में सभी सहभोज में शामिल हुए। कुटुंब सम्मेलन की शुरुआत केंद्र सरकार में कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने भारत माता व पार्टी महापुरुषों के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन के साथ करते हुए अपने उदबोधन में कहा कि मेरा सौभाग्य है कि हमारी संस्कृति व संस्कारों से प्रेरित कार्यक्रम में मुझे आप सभी के दर्शन का सौभाग्य मिला। यदि मैं इस कार्यक्रम में आने से चूक जाता तो राजस्थान भाजपा के किसी विधानसभा में होने वाले ऐसे ऐतिहासिक कार्यक्रम से वंचित रह जाता। यहाँ आकर मुझे भी अपने क्षेत्र में ऐसे आयोजन करने की प्रेरणा मिली है, इसका नेतृत्व कर रहे जुझारू नेता देवीशंकर भूतड़ा सहित सम्पूर्ण टीम को बधाई व शुभकामनाएँ देता हूँ।

कार्यकम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरिता गैना ने कहा कि कुटुंब सम्मेलन में इतनी बड़ी मातृशक्ति की उपस्थित से ही हमारी पार्टी की विचारधारा नीचे तक पहुंची है और पार्टी को मजबूती मिलती है ब्यावर भाजपा टीम ऐसे कुशल कार्यक्रम की रचना करने में माहिर है।भाजपा अजमेर देहात जिलाध्यक्ष जीतमल प्रजापत ने कहा कि कुटुंब सम्मेलन जैसे कार्यक्रम से हम पार्टी की आने वाली नई पीढ़ी को तैयार कर आगे लाने का अवसर मिलता है ऐसे भव्य, व्यवस्थित कार्यक्रम जिसमें वरिष्जनों के साथ साथ समाज व संस्थाओं के प्रबुद्धजनों के भी दर्शन करने का सौभाग्य मिल रहा हैं। ऐसे कार्यक्रमों से कौन चूकना चाहेगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मार्गदर्शन कर रहे पूर्व जिलाध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा संगठन में जान फूंकने वाले व कार्यकर्ताओ का निर्माण करने की सोच रखने वाले नेता जाने जाते हैं ।

कार्यालय ग्राम पंचायत दीपावास, पंचायत समिति रायपुर (ब्यावर)

क्रमांक : ग्रापदी/2025-26/224 ई-निविदा सूचना 01/2025-26 दिनांक : 13-03-2026

एस डी आर एफ एवं मगरा क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम मद (वित्तीय वर्ष 2025-26) योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत दीपावास में निम्न कार्य करवाने जाने हेतु ई-टेण्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा की तिथियां, समय व शर्तें एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ग्राम पंचायत मुख्यालय में कार्यालय समय में एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:\\sppp.rajasthan.gov.in एवं http:\\eproc.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है।

निविदा सूचना की क्रम सं.	ऑनलाईन निविदा विक्रय/डाउनलोड /अपलोड करने की दिनांक व समय	डी.डी. व हार्ड कॉपी जमा करवाने की तिथि व समय	ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि
1 से 8	14.03.2026 (9.00AM) to 20.03.2026 till (05.00 PM)	21.03.2026 till (12.15 PM)	21.03.2026 from 03.00 PM & onwards

उक्त निविदाओं के यूबीएन कोड निम्न है-

NIB No- PHS2526A0048 UBN No- PHS2526WSOB00236 to 243

प्रशासक, ग्राम पंचायत दीपावास, पं.स. रायपुर (ब्यावर)

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत दीपावास, पं.स. रायपुर (ब्यावर)

SRG HOUSING FINANCE LIMITED

एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

CIN: L65922RJ1999PLC015440

321, एस.एम. लोढ़ा कॉम्पलेक्स, शास्त्री सर्किल के पास, उदयपुर - 313001 (राजस्थान)

दूरभाष : 0294-2412609, ईमेल: info@srghousing.com, वेबसाइट: www.srghousing.com

परिशिष्ट - 4 {नियम 8 (1)} सांकेतिक की सूचना (स्थावर संपत्ति के लिए)

अधोहस्ताक्षरी, जो एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी है, ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं सपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अंतर्गत निम्न ऋणी/सहऋणी/जमानतियों/बन्धककर्ता को एक मांगपत्र जिसमें उल्लेखित रकम, जो उक्त सूचना पत्र की प्राप्ति की तारीख से 60 दिवस के भीतर प्रतिदाय करने के लिए "मांग पत्र" जारी किया था। ऋणी/सहऋणी/जमानतियों/बन्धककर्ता द्वारा रकम का प्रतिदाय करने में असफल रहने पर ऋणी, सहऋणी, बन्धककर्ता, उनके जमानतदारों एवं जनसाधारण को यहाँ सूचना दी जाती है की अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम धारा 13(4) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं सपठित प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002, के नियम 8 के अंतर्गत निम्न संपत्तियों का सांकेतिक कब्ज़ा उल्लेखित दिनांक को ले लिया है । ऋणी सहऋणी, बन्धककर्ता व जमानतदारो को विशिष्ट रूप से एवं जनसाधारण को सामान्य रूप से इसके द्वारा सावधान किया जाता है की वह नीचे वर्णित संपत्तियों के सम्बन्ध में कोई व्यवहार नही करे। इन संपत्तियों के सबंध में किया गया कोई भी व्यवहार नीचे **सांकेतिक कब्ज़ा** पत्र में वर्णित रकम, और सांकेतिक कब्ज़ा पत्र की दिनांक से आगे के ब्याज, खर्चों, अन्य खर्चों आदि के लिए एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 321, एस.एम. लोढ़ा कॉम्पलेक्स, शास्त्री सर्किल के पास, उदयपुर - 313001 (राजस्थान) के प्रभार के अधीन होगा। अधोहस्ताक्षरी उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के अंतर्गत सुरक्षित (सिक्योर्ड) प्रतिभूति के उन्मोचन के लिए उपलब्ध समय के प्रावधानों की ओर ऋणी, सहऋणी, बन्धककर्ता व उनके जमानतदारो का ध्यान आकृष्ट करता है ।

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या/ ऋणी/ सहऋणी/ जमानती	1)मांग पत्र की दिनांक 2)सांकेतिक कब्जे की दिनांक 3)मांग राशि मांग पत्र अनुसार	स्थावर संपत्ति का विवरण
1.	HLR00000000014945 श्री शंकर लाल बलाई पुत्र श्री नागा राम बलाई (ऋणी) श्रीमती केसर देवी पत्नी श्री नागा राम बलाई (सह-ऋणी) श्री कैलाश बलाई पुत्र श्री देबी लाल बलाई (जमानती-1) श्री दिनेश बलाई पुत्र श्री रामचंद्र बलाई	1)मांग पत्र की दिनांक- जनवरी 11, 2025 2)सांकेतिक कब्जे की दिनांक- मार्च 14, 2026 3)मांग राशि मांग पत्र अनुसार- ₹ 8,46,550 /- रूपये आठ लाख छयालिस हजार पांच सौ पचपन मात्र दिनांक जनवरी 07, 2025 तक एवं जनवरी 08, 2025 से आगे के ब्याज, खर्चे अतिरिक्त ।	श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र श्री कालू सिंह जी की सम्पति पट्टा सं.-46, ग्राम-महुआ खुर्द, ग्राम पंचायत- महुआ खुर्द, तहसील-बनेरा, जिला-भीलवाडा (राजस्थान) पर स्थित है जिसमें भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी संपत्ति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 103.00 गज वर्ग है। जिसकी चतुसीमा निम्न है- पूर्व-आम रास्ता, पश्चिम-बशीर मोहम्मद, उत्तर-सार्वजनिक सड़क, दक्षिण-नंदा बलाई

स्थान-राजस्थान
प्रकाशन की दिनांक- 17/03/2026

अधिकृत अधिकारी
एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

करौली में ऑनलाइन सट्टा गिरोह के खिलाफ कार्रवाई, 35 करोड़ की संपत्ति जब्त

पुलिस ने सट्टा किंग के होटल, फ्लैट, जमीन और फॉर्च्यूनर पर शिकंजा कसा, 16 जने गिरफ्तार

करौली, (निसं)। ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान करीब 35 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। हिण्डौन सदर थाना पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ कि ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क के माध्यम से करोड़ों रुपए की काली कमाई कर आलीशान संपत्तियां बनाई गई थी।

पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने बताया कि करौली निवासी अमीनुद्दीन खान उर्फ आमीन लंबे समय से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा गिरोह चला रहा था। आरोपी करौली, हिण्डौन, गंगापुर सिटी और जयपुर में अपने एजेंटों के जरिए ऑनलाइन सट्टे का नेटवर्क संचालित कर रहा था। जांच में सामने आया कि बिग बैश लीग सहित विभिन्न क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टा लगवाकर बड़ी रकम अर्जित की जा रही थी। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपी के एजेंटों को गिरफ्तार किया। मोबाइल फोन और डिजिटल डेटा के विश्लेषण से ऑनलाइन सट्टे के पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। इसके बाद पुलिस ने "ऑपरेशन शटर डाउन" के तहत कार्रवाई तेज करते हुए इस गिरोह से जुड़े अब तक 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

- **जांच में खुलासा हुआ कि ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क के माध्यम से करोड़ों रुपए की काली कमाई कर आलीशान संपत्तियां बनाई गई थी**
- **सभी संपत्तियों को अपराध से अर्जित आय मानते हुए इन्हें कुर्क करने की प्रक्रिया न्यायालय में शुरू कर दी गई है**
- **आरोपी करौली, हिण्डौन, गंगापुर सिटी और जयपुर में अपने एजेंटों के जरिए ऑनलाइन सट्टे का नेटवर्क संचालित कर रहा था**

जांच में यह भी पता चला कि सट्टे से अर्जित आय से आरोपी ने कई महंगी संपत्तियां खरीदी थी। इनमें एक आलीशान होटल, एक मकान, जयपुर में दो फ्लैट, दुकान के लिए एक प्लॉट, करीब 19 बीघा 7 बिस्वा जमीन और एक फॉर्च्यूनर कार शामिल हैं। इन सभी संपत्तियों को अपराध से अर्जित आय मानते हुए, इन्हें कुर्क करने की प्रक्रिया न्यायालय में शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की घोषित आयकी तुलना में उसकी संपत्ति कई गुना अधिक पाई गई है और वैध आय का कोई स्पष्ट स्त्रोत नहीं मिला। पुलिस का उद्देश्य संगठित अपराध की आर्थिक कमर तोड़ना और युवाओं को ऐसी गतिविधियों से दूर रखना है।

एटीएम काटकर चोरी करने का फरार आरोपी गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। उदेईमोड थाना पुलिस ने एटीएम काटकर चोरी करने के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। करीब एक साल से फरार वांछित आरोपी को पश्चिम बंगाल की जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया है।

थानाधिकारी ने बताया कि यह मामला 6 फरवरी 2025 का है। उस दिन एक्सिस बैंक, आदर्श नगर शाखा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक रविंद्र सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार अज्ञात बदमाशों ने बैंक के एटीएम को काटकर 3 लाख 95 हजार 600 रुपए चोरी कर लिए थे। इस संबंध में उदेईमोड थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। इस मामले में पहले भी छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि, आरोपी इरफान खान पुत्र राजमल, निवासी हसनपुर माफी, थाना तिजारा, जिला खैरथल-तिजारा, पिछले लगभग एक वर्ष से फरार था। उसे कोर्ट के प्रोडक्शन वारंट पर जलपाईगुड़ी सेंट्रल करेक्शनल होम, पश्चिम बंगाल से लाया गया और गिरफ्तार किया गया। आरोपी से मामले को लेकर पूछताछ जारी है। पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के निर्देश पर वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजौरा और वृताधिकारी गिर्राज प्रसाद के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी बृजेश सिंह तंवर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इस गिरफ्तारी को अंजाम दिया। टीम में थानाधिकारी बृजेश सिंह तंवर के साथ दिलीप सिंह, महावीर सिंह और समय सिंह शामिल थे।

- **आरोपी को पश्चिम बंगाल की जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया**

फैक्टरी में श्रमिक ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। बासनी प्रथम फेज औद्योगिक क्षेत्र में आई एक ऑयल फैक्टरी में श्रमिक ने फैक्टरी परिसर के एक कमरे में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। मृतक के पिता की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

भगत की कोठी पुलिस ने बताया कि मूलत: मध्यप्रदेश के शिवपुरी हाल बासनी प्रथम फेज स्थित एक ऑयल फैक्टरी श्रमिक खेमचंद (36) पुत्र विनती आदीवासी ने फैक्टरी परिसर के कमरे में फंदा लगा लिया। फैक्टरी के श्रमिक उसे बुलाने गए तब वह कमरे में फंदे पर लटका मिला। बाद में उसे फंदे से उतार कर एम्स अस्पताल लेकर गए, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया।

चाकू से हमला कर किशोर को घायल किया

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में अपचारियों ने विधी से संघर्षरत अपचारियों ने चाकू से हमला कर किशोर को घायल किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 मार्च रात में हिरणमगरी भोपा मगरी निवासी महेश मीणा पर विधी से संघर्षरत अपचारियों ने चाकू से हमला कर फरार हो गए। सीने एवं हाथ पर चोट लगने से गंभीर घायल किशोर महेश को परिजन सेटेलाईट चिकित्सालय ले गए। जहां से रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय ले गए। इस मामले में पीड़ित की परिचित कोमल की रिपोर्ट पर हिरणमगरी थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच एएसआई वसनाराम कर रहे हैं।

लावारिस बैग से दस किलो डोडा-चूरा बरामद

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा जीआरपी थाना पुलिस ने रेलवे स्टेशन परिसर से लावारिस बैग में रखा अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जीआरपी पुलिस के उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोमवार को जीआरपी थाना फुलेरा के थानाधिकारी औमप्रकाश के नेतृत्व में पुलिस टीम रेलवे स्टेशन पर गश्त कर रही थी। इस दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 3 पर जयपुर साइड के अंतिम छोर के पास एक संदिग्ध लावारिस पिट्ठू बैग रखा हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने आसपास मौजूद यात्रियों से बैग के बारे में पूछताछ की और अनाउंसमेंट भी करवाया, लेकिन काफी देर तक कोई व्यक्ति बैग का मालिक बनकर सामने नहीं आया। इसके बाद पुलिस ने बैग की तलाशी ली तो उसमें अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा का पाउडर मिला। तौल करने पर डोडा-चूरा का वजन 10 किलो 504 ग्राम पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 57 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मादक पदार्थ को जब्त कर मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस बैग के मालिक और तस्करों की तलाश में जुटी हुई है।

- **पुलिस बैग के मालिक और तस्करों की तलाश में जुटी**

जोधपुर सेंट्रल जेल अधीक्षक को एपीओ किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर सेंट्रल जेल में रोजा इफ्तार पार्टी के बाद प्रशासन ने जेल अधीक्षक प्रदीप लखावत को हटा दिया है। जेल में 13 मार्च को रोजा इफ्तार पार्टी हुई थी। कैदी ने इसके फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिए थे। मामला सामने आने के बाद जेल बैरकों में तलाशी अभियान चलाया गया। सर्च अभियान में जेल के शौचालय, फर्श और नालियों में अलग-अलग जगहों पर छिपाए गए 13 मोबाइल और सिम कार्ड मिले। गौरतलब है कि गत नौ मार्च को जेलर हड़मत सिंह को सस्पेंड किया गया था। उन पर नई आमद बंदियों को गलत वार्ड में भेजने के आरोप लगे थे। मामला सामने आने के बाद संयुक्त शासन सचिव अवधेश सिंह ने देर रात जेल अधीक्षक प्रदीप लखावत को एपीओ कर दिया।

गेहूं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में आग लगी

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के सागवाड़ा थाना क्षेत्र के भीलूड़ा गांव में गेहूं की फसल से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में अचानक आग लग गई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पा लिया, लेकिन ट्रॉली में रखी हजारों रुपए की गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो गई। इस घटना से किसान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार यह घटना भीलूड़ा की गणेशपुरी बस्ती में हुई। किसान योगेश वेलजी पाटीदार की कटी हुई गेहूं की फसल ट्रैक्टर ड्राइवर भरत खेत से ट्रॉली में भरकर ले जा रहा था। रास्ते में सड़क किनारे लगी बिजली की डीपी के तार ट्रॉली में भरी फसल से छू गए, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ और गेहूं की फसल में अचानक आग लग गई। आग लगते ही ट्रैक्टर ड्राइवर भरत ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ट्रैक्टर को तुरंत खेतों की ओर मोडकर ट्रॉली से अलग कर दिया। उसने मदद के लिए आवाज लगाई, जिसके बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस घटना में ट्रॉली में भरी पूरी गेहूं की फसल और खेत में पड़ी कुछ फसल जलकर नष्ट हो गई। इसके अतिरिक्त, ट्रॉली के दोनों टायर भी आग की चपेट में आकर जल गए। ग्रामीणों के अनुसार आसपास के कई खेतों में भी कटी हुई फसल पड़ी थी। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो और भी बड़ा नुकसान हो सकता था।

- **शॉर्ट सर्किट से हजारों की फसल जलकर राख हुई, ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया**

आग से गेहूं की फसल में नुकसान

छबड़ा, (निसं)। सेवनखेड़ी गांव में किसान के खेत में आग लगने से गेहूं की फसल में नुकसान हो गया। आग से किसान की फसल जल गई। प्लांट की फायर बिग्रेड ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। अन्यथा बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी।

सरपंच (प्रशासक) सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि किसान केरसिंह लोधा, समुद्रसिंह लोधा की साल भर की मेहनत बर्बाद हो गई। ग्रामीणों की सहायता से प्लांट की फायर बिग्रेड ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रधान हरिओम नागर, भाजपा मंडल अध्यक्ष हेमराज लोधा ने प्रशासन से प्रभावित किसानों को मुआवजा दिए जाने की मांग की।

चम्बल में डूबने से युवक की मौत

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में एक युवक ने चम्बल नदी में छलांग लगा दी। नदी में डूबने से युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार चम्बल नदी में डूबे युवक को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। नयापुरा थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि चम्बल की पुलिया से चम्बल नदी में युवक के कूदने की सूचना मिली। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान कयान हाउस निवासी रवि कुमार के रूप में हुई। मृग दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल युवक ने किन कारणों के चलते यह कदम उठाया, उन कारणों का कोई खुलासा नहीं हुआ है।

उदयपुर में हुये अलग-अलग हादसों में चार युवकों की मौत

उदयपुर, (कासं)। सुखेर थाना क्षेत्र में ट्रेलर से टकराने पर बाइक चालक दो युवकों की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार रात में सुखेर थाना क्षेत्र फौजी ढाबा एवं आशा पुरा होटल के बीच में ट्रेलर से बाइक टकराने पर सापेटिया निवासी अजय डांगी (25) पुत्र भगवान लाल डांगी तथा नरेश डांगी (34) पुत्र धूजीराम डांगी निवासी सोपटिया की मौत हो गई। दोनों रिश्ते में सादू बताए जाते हैं तथा दोनों बाइक पर डागियों का गुड़ा में आयोजित सामाजिक समारोह में शामिल होकर वापस घर लौट रहे थे, जहां बीच रास्ते में आगे चल रहे ट्रेलर के चालक द्वारा ब्रेक लगाने पर बाइक जा टकराई। हादसे में गंभीर घायल होने पर दोनों को चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उनकी मौत हो गई। इस पर हैड कांस्टेबल भावेश ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। अजय वाहन चलाने का काम करता था। हादसे के बाद चालक ट्रेलर छोड़ कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रेलर जब्त कर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की।

सड़क हादसे में किसान की मौत : झाड़ोल थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में किसान की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार झाड़ोल थाना क्षेत्र गोराणा गांव निवासी रतनलाल पुत्र चालकराम तेली सोमवार तड़के बाइक पर सब्जी बेचने के लिए झाड़ोल मण्डी आया था, जहां से वापास बाइक पर गांव लौट रहा था। इस दौरान बीच रास्ते चागला गांव के समीप अज्ञात वाहन ने उसे चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई शंकरलाल ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिज/नों को सौंपा।

युवक ने की आत्महत्या : उदयपुर शहर के धानमण्डी थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसर रविवार रात में हाथीपोल खटीकवाड़ा निवासी यश निमावत (30) पुत्र भगवतीलाल ने अपने मकान में फांसी लगा ली। इसका पता चलने पर धानमण्डी थाना एएसआई महेश ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। यश बीमार रहता था, जिससे परेशान होकर आत्महत्या करने की जानकारी सामने आई है।

युवक की चाकू मारकर हत्या, आरोपी हिरासत में

बीकानेर, (निसं)। जिले के जसरासर थाना क्षेत्र के उत्तमादेसर गांव में देर रात आपसी विवाद के बाद एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान हरिराम (32) पुत्र बद्रीराम गोदारा के रूप में हुई है, जो गांव में दुकान चलाता था।

पुलिस के अनुसार किसी बात को लेकर हुए विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया। आरोपियों ने हरिराम पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे पीबीएम अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में नापासर के पास ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जसरासर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नापासर सीएचसी भेज दिया। जसरासर, नापासर और बीकानेर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए देर रात एक युवक को हिरासत में लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक के परिजन नापासर सीएचसी और जसरासर थाने में मौजूद हैं और अन्य आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा घटना की विस्तृत जांच जारी है।

- **हॉस्पिटल ले जाते समय रास्ते में घायल ने तोड़ा दम, मामले में परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की**

जोधपुर : शीतला माता मेले में कोबरा सांप से अफरा-तफरी मची

दुकान में छह फीट लंबा कोबरा सांप निकल आया, टीम ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के कागा स्थित शीतला माता मेले में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक दुकान में अचानक करीब 6 फीट लंबा कोबरा सांप निकल आया। मेले में मौजूद लोगों की सतर्कता और सर्प विशेषज्ञ की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया और सांप का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड़ दिया गया। सांप को पकड़ते ही वहां मौजूद दुकानदारों और श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार सुबह करीब 11.30 बजे मेले में दुकान लगाए बैठी नैना देवी एक ग्राहक को जूते दिखा रही थी। इसी दौरान अचानक उनके पैर के पास करीब 6 फीट लंबा कोबरा सांप आ गया। सांप को देखते ही नैना देवी घबरा गई और जोर से आवाज लगाई। उनकी आवाज सुनकर पास में ही अपनी दुकान पर बैठे सरदार श्याम सिंह और उनके भाई हरपाल सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे। दोनों ने बिना समय गंवाए नैना देवी को दुकान से सुरक्षित बाहर निकाला, जिससे कोई अनहोनी नहीं हुई। इसके बाद तुरंत सर्प विशेषज्ञ इस्माइल रंगरेज को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही इस्माइल रंगरेज मौके पर पहुंचे और दुकान के अंदर तलाश शुरू की। कुछ देर की खोजबीन के बाद कोबरा सांप टेबल के नीचे रखे जूतों में छिपा हुआ मिला। इस्माइल रंगरेज ने उस पकड़ कर डिब्बे में बंद कर दिया। सांप को पकड़ते ही वहां मौजूद दुकानदारों और श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली। घटना के दौरान कुछ देर के लिए मेले में भीड़ भी इकट्ठा हो गई थी। रेस्क्यू के बाद कोबरा सांप को सुरक्षित तरीके से जोधपुर के मंडोर क्षेत्र की पहाड़ियों में ले जाकर प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया गया।

रेलवे स्टेशन पर मिली महिला व बच्ची को संरक्षण मिला

कोटा, (निसं)। पश्चिम-मध्य रेलवे के कोटा मंडल के अंतर्गत भरतपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन डिग्निटी के तहत मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक लावारिस अवस्था में मिली महिला एवं उसकी छोटी बालिका को सुरक्षित संरक्षण प्रदान किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट भरतपुर के सहायक उप निरीक्षक राजाराम अहिरवार गश्त के दौरान प्लेटफार्म संख्या 2 पर एक महिला को छोटी बालिका के साथ रोते हुए एवं लावारिस अवस्था में बैठे हुए पाया। पूछताछ करने पर महिला ने अपना नाम राजकुमारी (25) निवासी टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) बताया तथा बताया कि वह घरेलू विवाद के कारण घर से निकलकर यहां आ गई है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा महिला को समझा-बुझाकर सुरक्षित रूप से भरतपुर पोस्ट लाया गया।

उदयपुर में पुलिसवालों ने मायरा की रस्म निभाई

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के प्रतापनगर थाने में पुलिसकर्मियों के लिए भोजन बनाने वाली महिला मीराबाई के बेटे की शादी में पुलिस थाने की ओर से 1 लाख11 हजार रुपए का मायरा भरा गया। ढोल-नगाडों की धुन पर थानाधिकारी से लेकर अन्य पुलिसकर्मी रविवार शाम को मीराबाई के सुंदरवास स्थित निवास पर पहुंचे। इस दौरान पुलिसकर्मी साफा पहने पारंपरिक अंदाज में नजर आए।उनके हाथों में नोटों और कपड़ों से सजे थाल थे। मीराबाई की तरफ से सभी का स्वागत-सत्कार किया गया। थानाधिकारी पूरणसिंह राजपुरोहित ने मीराबाई को चुनरी ओढाकर सम्मान दिया। इसके बाद 1 लाख 11 हजार रुपए की राशि परावणी के साथ भेंट की गई। इस दौरान मीराबाई भावूक नजर आई।

सब इंस्पेक्टर रेणू खोईवाल ने बताया कि मीराबाई थाने में बीते 25 साल से भोजन बना रही हैं। वे एक मां की तरह हमारे खाने का ध्यान रखती हैं। खाना बनने के बाद सभी को खाना खाने के लिए बोलती है। बार-बार खाने के लिए पूछती हैं। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी बनती है कि ऐसी महिलाओं को सहयोग दें और समाज में आगे बढ़ाएं, इसलिए थाने के सभी स्टाफ की ओर से मायरा भरा गया।

मीराबाई के तीन भाई हैं, जिनमें से दो भाई पारिवारिक नाराजगी की वजह से नहीं आए। मीराबाई ने बताया कि शादी के एक साल बाद ही उनके पति का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। उस वक्त बेटा मुकेश गायरी 6 माह पेट में था। आसपास घरों में झाड़ू-पौछा लगाकर बच्चे को पालकर बड़ा किया। फिर घनश्यामजी थानाधिकारी के घर खाना बनाने लगी थी। उन्होंने ही मुझे प्रतापनगर थाने में भोजन बनाने का काम दिया। तीन हजार रुपए वेतन में काम शुरू किया था, आज 11हजार रुपए वेतन हैं।

- **25 साल से थाने में खाना बनाने वाली महिला के बेटे की शादी में पहुंचा पूरा थाना**

डंपर का टायर निकलने से बाइक सवार ताऊ-भतीजी घायल

चिड़ावा, (निसं)। शहर के खेतड़ी रोड स्थित सूरजगढ़ मोड़ के पास सोमवार दोपहर एक सड़क हादसा सामने आया है। एक तेज रफ्तार दस चक्का डंपर का टायर अचानक रिम से निकलकर काल बनकर सड़क पर दौड़ा और सामने से आ रहे बाइक सवार ताऊ-भतीजी को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद झुंझुनूं रेफर किया गया है। पूरी घटना पास ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

- **सीसीटीवी में कैद हुआ हादसा, घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद झुंझुनूं रेफर कर दिया**

घायलों को अस्पताल में भर्ती कर प्राथमिक उपचार दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चौहानों की ढाणी निवासी राजेश अपनी भतीजी रिया को परीक्षा दिलाने के लिए बाइक पर सवार होकर चिड़ावा की ओर आ रहे थे। रिया चौधरी कॉलोनी स्थित हिन्द एकेडमी स्कूल में कक्षा नौवीं की छात्रा है और सोमवार को उसका राजस्थान जीके का पेपर था। दोपहर करीब एक बजे जैसे ही वे सूरजगढ़ मोड़ के पास पहुंचे, सूरजगढ़ बाईपास से सिंघाना की ओर जा रहे एक दस चक्का डंपर के बीच का टायर अचानक निकलकर हवा में उछलता हुआ सीधे उनकी बाइक से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद चालक डंपर लेकर मौके से फरार हो गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के दुकानदार और राहगीर तुरंत मौके की ओर दौड़े और लहूलुहान हालत में पड़े राजेश और रिया को संभाला। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस के ड्राइवर बंटी और ईएमटी सतीश ने दोनों को तत्काल चिड़ावा के राजकीय उप जिला अस्पताल पहुँचाया। डॉक्टरों के अनुसार रिया का दाहिना पैर फ्रैक्चर हो गया है, वहीं राजेश के पैर में चोट के साथ-साथ उन्हें उल्टियां होने की शिकायत पर दोनों को जिला अस्पताल झुंझुनूं रेफर कर दिया गया। घायल रिया के पिता राकेश और ताऊ राजेश दोनों ही निजी संस्थानों में चौकीदारी का कार्य करते हैं। स्टेट हाइवे-8 पर हुए इस हादसे के बाद क्षेत्र में भारी वाहनों के खराब रखरखाव और उनकी तेज रफ्तार को लेकर स्थानीय लोगों में भारी रोष है।

उदयपुर में अवैध गैस रिफिलिंग पर कार्रवाई

उदयपुर, (कासं)। घरेलू गैस सिलेण्डर के दुरुपयोग तथा कालाबाजारी की रोकथाम को लेकर जिला कलैक्टर नमित मेहता के निर्देशन में प्रशासन एवं रसद विभाग की टीम ने शहर में कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में सिलेण्डर जब्त किए।

प्रवर्तन निरीक्षक विशेष मीणा, डॉ. हिमानी सिंह सोलंकी एवं डॉ. कोमल सिंह सोलंकी की टीम ने विनायक वाटिका के सामने उदयपुर-फतहनगर रोड स्थित एक मकान पर जांच की। इस दौरान मौके से 21 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए तथा दो गैस रिफिलिंग मशीनें स्थापित पाई गईं, जिनमें से एक मशीन से अवैध रूप से गैस रिफिलिंग करते हुए पाया गया। टीम ने दोनों मशीनों को जब्त कर लिया। इसी क्रम में प्रवर्तन अधिकारी मानसी पंड्या और प्रवर्तन निरीक्षक डॉ. हिमानी सिंह सोलंकी की टीम ने सूरजपोल क्षेत्र में भी कार्रवाई की। इस दौरान गणेश रेस्टोरेंट से अवैध रूप से उपयोग में लिए जा रहे चार घरेलू गैस सिलेंडर किचन से बरामद किए गए। वहीं संतोष दालबाटी, सूरजपोल में जांच के दौरान तीन व्यवसायिक गैस सिलेंडर बिना वैध दस्तावेज के पाए जाने पर उन्हें भी मौके पर जब्त कर लिया गया।

कार्यालय मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा
दूरदर्शन केन्द्र के पास, जालोर (राज.)
क्रमांक : मुजिशिअ / जालोर / 2026/2252 दिनांक : यथाहस्ताक्षर
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 01 / 2025-26
इस कार्यालय से गुरू गोलवलकर आंकाक्षी ब्लॉक विकास योजना के तहत जालोर ब्लॉक के विद्यालयों हेतु IFPD Set for Smart Class Room & Projector Set की अल्पकालीन ई-निविदा की जाती हैं जिसकी अनुमानित कीमत 62.80 लाख रूपये हैं तथा अल्पकालीन ई-निविदा हेतु दस्तावेज अपलोड करने की अंतिम तिथि 18.03.2026 12PM तक हैं। अन्य जानकारी हेतु https://eproc.rajasthan.gov.in पर जायें।
NIB Code- RSE2526A1997
UBN-RSE2526GLOB07662
DIPR/C/5440/2026
(मुनेश कुमार मीना) मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा, जालोर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, नर्मदा नहर परियोजना खण्ड प्रथम सांचौर
क्रमांक/लेखा/निविदा/2025-26/2232 दिनांकः- 11/03/2026
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 06/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यों के लिये अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में राज्य सरकार के संशोधित आदेशों के अनुसार नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों / फर्मों से निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा में वर्णित 1 कार्य हेतु निविदा ऑनलाईन आमन्त्रित की जाती है। जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो या के.लो.नि.वि.ए डाक, दूरसंचार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारो / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमो / संगठनो के पास "अअ" एंव "अ" श्रेणी में सूचिबद्ध संवेदक जो राजस्थान के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो, भी कार्य के लिए निविदा हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात पात्र है। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन दिनांक 12.03.2026 प्रातः 9.30 बजे से दिनांक 18.03.2026 सांय 5.00 बजे तक डाउनलोड करके निविदा प्रपत्र दिनांक 12.03.2026 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 18.03.2026 सांय 06.00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड किये जा सकेगें। निविदा दिनांक 19.03.2026 को सांय 3 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। कार्यों की अनुमानित लागत, धरोहर राशि, प्रोसेसिंग फीस व कार्य पूर्ण करने की अवधि तथा अन्य शर्तें https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखें।
NIB- WRD2526A0792
1. WRD2526WS0B02808
DIPR/C/5432/2026
अधिशाषी अभियन्ता नर्मदा नहर खण्ड प्रथम, सांचौर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड जालोर
क्रमांकः अअ/जा/2025-26/4281 दिनांकः 11.03.2026
अल्पकालिन निविदा सूचना संख्याः 27 वर्ष 2025-26
NIB No. PWD2526A6108
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन व सड़क निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 3 कार्य जिनकी लागत राशि रू. 130.27 लाख है, अतः उक्तकार्यों के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईनः निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	13 मार्च 2026 प्रातः 10.00 बजे से 18 मार्च 2026, सायं 6:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करेवाना आवश्यक है।
यूबीएन नं.- 1. PWD2526WSOB25452, 2. PWD2526WSOB25453, 3. PWD2526WSOB25454
(शंकर लाल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड, जालोर
मोबाईल 9983975907
DIPR/C/5471/2026

414 किलो डोडा-पोस्त के साथ पंजाब के दो तस्कर ए.एन.टी.एफ. के हत्थे चढ़े

चित्तौड़गढ़ से पंजाब जा रही थी नशे की खेप, एएनटीएफ टीम ने घेराबंदी कर दो लग्जरी कारों में भरे मादक पदार्थ को जब्त किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने प्रदेश में 3 जगह मादक पदार्थ तस्करों पर शिकंजा कसा। भीलवाड़ा में लग्जरी कार में 414 किलो डोडा-पोस्त ले जा रहे नाबालिग समेत 2 आरोपियों को दबोचा। इसी तरह बीकानेर जिले के रणजीतपुरा थाना क्षेत्र से 92 अफीम के पौधों के साथ एक आरोपी को पकड़ा। इसी तरह फलौदी जिले में 48 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त और 44.60 ग्राम अफीम के साथ एक तस्कर गिरफ्तार किया। यह जानकारी ए.एन.टी.एफ. के महानिरीक्षक विकास कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि एडीजी दिनेश एम.एन. के मार्गदर्शन में इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

- **बीकानेर में 92 अफीम के पौधे तथा फलौदी में 44.60 ग्राम अफीम और 498.20 ग्राम डोडा-चूरा के साथ तस्कर दबोचे**

आईजी विकास कुमार ने बताया कि एएनटीएफ टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चित्तौड़-जयपुर नेशनल हाईवे-48 पर चित्तौडगढ़ की ओर से एक स्कोर्पियो और एक औरा कार में बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ भरकर पंजाब ले जाया जा रहा है। सूचना के बाद एएनटीएफ टीम ने नाकाबंदी कर जाल बिछाया। कुछ देर बाद संदिग्ध गाड़ियां वहां पहुंची तो टीम ने उन्हें घेर लिया। तलाशी लेने पर दोनों कारों में 414 डोडा-पोस्त मिला। इस पर एएनटीएफ ने पंजाब के लुधियाना निवासी अरूण सिंह (20) को गिरफ्तार किया और एक नाबालिग को निरूद्ध किया। इसी प्रकार बीकानेर के रणजीतपुरा क्षेत्र में गेनाराम (55) ने अपने खेत में अफीम के पौधे उगा रखे थे, इसकी सूचना मिलते ही एएनटीएफ ने मौके पर पहुंचकर 92 अफीम के पौधों के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया। तीसरकी कार्रवाई नागौर एएनटीएफ टीम ने की। मुखबिर से सूचना मिली थी कि जगदीश विश्नोई निवासी जांबा की ढाणी फलौदी के आसपास तस्करी करता है। इस पर टीम ने आरोपी के घर दबिश देकर 44.60 ग्राम अफीम और 498.20 ग्राम डोडा-चूरा जब्त किया। नशीली सामग्री तलाशने में डॉग स्कवॉड की मदद ली गई।

खाद्य मंत्री ने किया 181 हैल्पलाइन का निरीक्षण

गैस एजेंसियों की अनियमितता पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने सोमवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क सेवा (181) का निरीक्षण किया और दूरभाष के माध्यम से आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान करने के निर्देश दिए।

यह निरीक्षण मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के उस निर्देश के क्रम में किया गया, जिसमें घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया है। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने डीडवाना-कुचामन के परबतसर, सीकर, बालोतरा, किशनगढ़ (अजमेर), सिणधरी, साहवा, सूरतगढ़, कोटपुतली-बहरोड़ और केकड़ी सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से दूरभाष पर बातचीत कर उनकी शिकायतें सुनीं। उन्होंने प्रदेश में घरेलू रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता का भरोसा दिलाया।

मंत्री ने स्पष्ट कहा कि गैस सिलेंडर वितरण के समय ओटीपी की प्रक्रिया का पालन नहीं करने या बुकिंग के 2-3 दिन के भीतर सिलेंडर नहीं पहुंचाने जैसी अनियमितताओं पर संबंधित गैस एजेंसियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने उपभोक्ताओं से केवाईसी प्रक्रिया भी पूरी करवाने का आग्रह किया। इस दौरान मंत्री ने संपर्क सेवा पर प्राप्त शिकायतों की संख्या, उनके निस्तारण की अवधि और लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवादी की समस्या का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा समय-समय पर लोगों से प्रतिक्रिया लेकर व्यवस्था में सुधार किया जाए।

मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को नियमित रूप से संपर्क सेवा पर उपस्थित होकर आमजन से सीधे संवाद करने और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश भी दिए।

बारिश-ओलावृष्टि से 10 डिग्री तक गिरा प्रदेश के शहरों का पारा

मौसम विभाग ने 18 से 21 मार्च तक प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी-बारिश की चेतावनी दी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । पश्चिम विक्षोभ के असर से प्रदेश के कई शहरों में बारिश और ओलावृष्टि देखने को मिली। इससे प्रदेश के शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश के शहरों के तापमान में 10 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग का कहना है कि 18 मार्च को एक और मजबूत पश्चिम विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से 18 से 21 मार्च तक प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी-बारिश देखने को मिलेगी।

मौसम विभाग के अनुसार 11 डिग्री के साथ फतेहपुर की रात सबसे सर्द रही। जोधपुर के रात के तापमान में 10.3 और श्रीगंगानगर के दिन के तापमान में सबसे ज्यादा 4.3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। तीन शहरों को छोड़कर बाकी का दिन का तापमान 37 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। 38.6 डिग्री के साथ चित्तौड़गढ़-बाड़मेर का दिन और 23.4 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। फलौदी के अलावा पाली, कोटा और बाड़मेर का रात का तापमान 20 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 18 से 21 मार्च एक और नया मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। रविवार को प्रदेश के कई भागों में मेघगर्जन, हल्की बारिश के प्रभाव से तापमान में 2-4 डिग्री गिरावट दर्ज की गई है। राज्य में अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया है। 17 मार्च को राज्य में मौसम शुष्क रहने की प्रबल संभावना है। एक और नया मजबूत पश्चिमी विक्षोभ 18-21 मार्च के दौरान सक्रिय होने तथा कहीं-कहीं मेघगर्जन, तेज आंधी (40-50 किमी प्रतिघंटा) व बारिश होने की प्रबल संभावना है। 18 मार्च को जोधपुर, बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं मेघगर्जन, आंधी के साथ हल्की बारिश, शेष भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। 19-20 मार्च को विक्षोभ का सर्वाधिक असर रहने तथा जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर व कोटा संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ तेज आंधी (40-50 किमी प्रतिघंटा) व बारिश होने की संभावना है।

जयपुर में रविवार को हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। इसके बाद चली हवाओं से रात के पारे में 4 डिग्री से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। जयपुर के दिन के तापमान में भी करीब दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को धूप में तीखापन कम नजर आया। जयपुर का अधिकतम तापमान 33.9 और न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री दर्ज किया गया।

मुख्यमंत्री आज देंगे युवाओं को सौगात

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के अनुरूप राज्य सरकार की ओर से 17 मार्च को "राजस्थान युवा शक्ति दिवस" मनाया जायेगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा युवाओं को समर्पित 485 करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया जाएगा।

जयपुर के मानसरोवर स्थित टैगोर पब्लिक स्कूल में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार की संस्थाओं आरसीएटी, आरकेसीएल, आरएसएलडीसी से एआई कोर्स, वेब डिजाइनिंग जैसी विधाओं में प्रशिक्षित 9432 युवाओं को कौशल उन्नयन प्रमाण पत्रों का वितरण किया जाएगा। इसी प्रकार 403 स्टार्टअप्स को वायबिलिटी गैप का 1145 लाख रुपये का फंड वितरित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत प्रथम लाभार्थी को चेक भी सौंपा जाएगा। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार द्वारा युवाओ पर आधारित लघु फिल्म 'युवाओं का उत्थान' का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

पशुपालन मंत्री ने एफएमडी रोग प्रतिरोधक टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया

जयपुर । पशुपालन, गोपालन और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने सोमवार को बगरू स्थित रामदेव गोशाला से एफएमडी रोग से बचाव के लिए राज्य स्तरीय टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। पशुधन को खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) रोग से बचाने के उद्देश्य से टीकाकरण का यह सातवां चरण है। इसके तहत प्रदेश के सभी जिलों में 2 करोड़ 32 लाख गौ एवं भैंस वंशीय पशुओं का टीकाकरण होगा।

पशुपालन मंत्री ने कहा कि प्रदेश में पशुधन किसानों और पशुपालकों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है। खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) जैसे संक्रामक रोग से पशुधन को सुरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और पशु चिकित्सकों को निर्देश दिए कि टीकाकरण कार्य को पूरी गंभीरता और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि प्रदेश का वर्ष 2030 तक खुरपका-मुंहपका रोग से मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

पशुपालन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने गायों और गौशाला की बेहतरी के लिए कई योजनाओं की शुरूआत की है और पिछले दो वर्षों में पात्र गौशालाओं की अनुदान राशि में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। विभागीय निदेशक डॉ. सुरेश मीना ने बताया कि खुरपका-मुंहपका एक अत्यंत संक्रामक रोग है, जिससे पशुओं की उत्पादकता प्रभावित होती है और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इस रोग की रोकथाम के लिए नियमित टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है। अभियान के शुभारंभ से पूर्व मंत्री कुमावत ने गौवंश की पूजा कर उन्हें चारा खिलाया तथा गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने टीकाकरण दल को टीके का कैरियर भेंट किया। मौके पर ही दल के सदस्यों ने गौवंश का टीकाकरण किया।

इस अवसर पर पशुपालन विभाग के निदेशक और आरएलडीबी के कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुरेश मीना, रामदेव गौशाला के महामंत्री भंवरलाल वर्मा, नगर निगम के उपाध्यक्ष अजय, पूर्व सरपंच प्रभुदयाल वर्मा, सरपंच हेमंत मीना तथा पद्मश्री से सम्मानित भजन गायक मुन्ना मास्टर तथा पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने सोमवार को बगरू स्थित रामदेव गौशाला में गौ पूजन किया।

भगवान अटलानी को "साहित्य अकादमी पुरस्कार 2025" मिलेगा

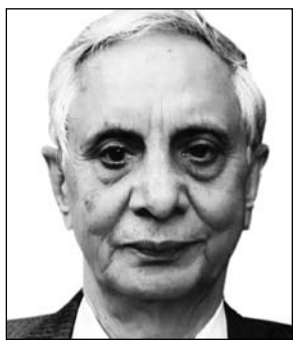

जयपुर । वरिष्ठ लेखक, पत्रकार एवं साहित्यकार भगवान अटलानी को सिंधी भाषा उनकी कहानी संग्रह "वाघू" के लिए "साहित्य अकादमी पुरस्कार 2025" से नवाजा जायेगा। आगामी 31 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले समारोह में उन्हें ताम्रफलक, शॉल और एक लाख रुपए की राशि से पुरस्कृत किया जायेगा। ज्ञात रहे कि केन्द्रीय साहित्य अकादमी ने सोमवार को 24 भाषाओं में कविता, उपन्यास, कहानी, निबंध, साहित्यिक आलोचना, आत्मकथा व संस्मरण की श्रेणी में "साहित्य अकादमी पुरस्कार 2025" की घोषणा की। गौरतलब है कि जयपुर निवासी वरिष्ठ साहित्यकार भगवान अटलानी की 40 से ज्यादा पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। भगवान अटलानी वर्ष 1997 से 2000 तक राजस्थान सिंधी अकादमी के अध्यक्ष भी रह चुके है। जयपुर से किसी भी लेखक को पहली बार सिंधी भाषा में यह पुरस्कार मिलेगा।

सलमान खान और राजश्री की रिवीजन खारिज

जयपुर । राज्य उपभोक्ता आयोग ने राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुडे मामले में फिल्म अभिनेता सलमान खान और राजश्री की ओर से दायर रिवीजन याचिका को खारिज कर दिया है।

आयोग अध्यक्ष जस्टिस देवेन्द्र कच्छावाहा और न्यायिक सदस्य अरुण कुमार अग्रवाल व सदस्य लियाकत अली ने अपने आदेश में कहा कि भारत जैसे विशाल देश में केवल दिल्ली में स्थित केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को इस तरह की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में विधायिका को पुनर्विचार करना चाहिए।

वहीं कम से कम राज्य आयोग व उसकी पीठ को इस तरह के प्रकरण सीधे सुनने के प्रावधान करना चाहिए, ताकि इस संबंध में भ्रांति दूर हो और आम जन को भ्रामक विज्ञापनों से राहत मिल सके। आयोग ने कहा कि मामले में परिवादी को परिवाद दायर करने का अधिकार को लेकर जिला आयोग में प्रार्थना पत्र लंबित है। ऐसे में इसी आधार पर राज्य आयोग में प्रार्थना पत्र पेश कर जिला आयोग का काम राज्य आयोग से करनो की प्रयास किया जा रहा है।

रिवीजन याचिकाओं में जिला उपभोक्ता आयोग, क्रम 2 के गत 6 जनवरी और 15 जनवरी के उन आदेशों को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत आयोग ने राजश्री पान मसाला के भ्रामक प्रचार पर रोक लगाते हुए सलमान खान के हस्ताक्षर मौका कमिश्नर की उपस्थिति में कराने को कहा गया था। रिवीजन याचिका में कहा गया कि अधिनियम की धारा 89 में भ्रामक विज्ञापन के मामले में दंड का प्रावधान है और धारा 92 में स्पष्ट किया गया है कि केन्द्रीय प्राधिकरण या उसकी ओर से अधिकृत अधिकारी ही धारा 88 व धारा 89 के तहत परिवाद पेश कर सकता है।

इसके अलावा मामले में परिवादी उपभोक्ता की श्रेणी में नहीं आता है। जिसे अस्वीकार करते हुए राज्य आयोग ने दोनों रिवीजन याचिकाओं को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि योगेन्द्र सिंह ने जिला आयोग में परिवाद पेश कर राजश्री पान मसाला की ओर से उत्पाद की बिक्री नहीं करने और सलमान खान को इसका भ्रामक विज्ञापन नहीं करने के लिए पाबंद करने की गुहार की गई थी।

मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट के संचालन पर रोक

जयपुर । जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने गौरव टॉवर स्थित मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट में हानिकारक तेल में खाद्य सामग्री बनाने से जुडे मामले में रेस्टोरेंट के संचालन पर अंतरिम रोक लगा दी है। वहीं फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह को पाबंद किया है कि वह रेस्टोरेंट का भ्रामक प्रचार-प्रसार नहीं करे। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीणा, सदस्य सुप्रिया अग्रवाल व अजय कुमार ने यह निर्देश परिवादी गौरव तिवाडी के स्टे प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए। परिवादी ने प्रार्थना पत्र में कहा कि विपक्षी के मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट में फास्ट फूड की बिक्री की जाती है। गत 9 फरवरी को खाद्य सुरक्षा आयुक्तालय की टीम ने मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट, गौरव टावर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम को वहां पर दूषित खाद्य तेल में खाद्य सामग्री बनाते हुए मिली। जिस खाद्य तेल का उपयोग किया जा रहा था, उसका टीपीसी स्तर 28 व 31 पाया गया। वैधानिक टीपीसी सीमा 25 तय है। विशेषज्ञों के अनुसार 25 से ज्यादा टीपीसी वाला तेल विषाक्त है। यह तेल कैंसर व हार्ट की बीमारी के लिए भी प्रमुख कारण बनता है, लेकिन फिर भी मैकडॉनल्ड्स फिल्म अभिनेता के जरिए भ्रामक प्रचार-प्रसार कर अपने फूड प्रॉडक्ट को बेच रहा है। ऐसे में इसकी खाद्य वस्तुओं पर बेचने पर रोक लगाकर इसे पाबंद किया जाए। जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो।

जिला प्रशासन ने भी जब्त किए 56 सिलेंडर

जयपुर (कासं)। जयपुर कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण के तीन विशेष प्रवर्तन दलों ने सोमवार को राजधानी में जगह-जगह छापामार कार्रवाई करते हुए 56 घरेलू एवं व्यवसायिक गैस सिलेंडर, 4 इलेक्ट्रॉनिक मोटर, 4 कांटे तथा 3 रेगुलेटर जब्त किए गए। इसके साथ ही संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज करवाई गई।

पुलिस से प्राप्त सूचना पर ब्रह्मपुरी क्षेत्र, आमेर रोड जयपुर में घरेलू गैस सिलेंडरों से अवैध रिफिलिंग की पुष्टि हुई। मौके से 20 घरेलू गैस सिलेंडर, 2 इलेक्ट्रॉनिक मोटर एवं 2 कांटे जब्त किए गए।

पुलिस की सूचना के आधार पर गोपालपुरा बाईपास स्थित श्याम एवं गोयनका जनरल स्टोर पर कार्रवाई की गई। यहां घरेलू गैस सिलेंडरों से अवैध रिफिलिंग कर कालाबाजारी किए जाने की पुष्टि होने पर 23 घरेलू गैस सिलेंडर, 2 इलेक्ट्रॉनिक मोटर एवं 2 कांटे जब्त किए गए। विष्णु मिष्ठान भंडार पर व्यवसायिक गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग एवं कालाबाजारी की पुष्टि हुई। मौके से 13 व्यवसायिक गैस सिलेंडर तथा 3 रेगुलेटर जब्त किए गए। विशेष प्रवर्तन दल द्वारा एक गैस एजेंसी का भी निरीक्षण किया गया। एजेंसी संचालकों को घरेलू गैस सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति करने, उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान करने तथा एजेंसी परिसर में आमजन की अनावश्यक कतारें नहीं लगने देने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध रिफिलिंग, भंडारण या कालाबाजारी में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जयपुर शहर के आमजन से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गैस रिफिलिंग केंद्र, अवैध भंडारण या कालाबाजारी गतिविधि की सूचना विभाग को तत्काल दें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अपने निवास पर नियमित जनसुनवाई की।

गोविंददेवजी मंदिर से आठों दिशाओं के लिए 8 सजे-धजे अश्व रवाना

जयपुर । चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ होने वाले भारतीय नववर्ष नवसंवत्सर- 2083 के स्वागत में जयपुर तैयार है। आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर से महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में आठों दिशाओं के लिए आठ सजे धजे अश्व रवाना किए गए। संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने संतों-महंतों एवं गणमान्य लोगों के साथ चार श्वेत अश्वों को जयपुर शहर की चारों दिशाओं-पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण-की ओर रवाना किया। इससे पूर्व चारों अश्वों का पूजन किया गया।

- **भारतीय नववर्ष के स्वागत की तैयारियां शुरू**

इस मौके पर भाजपा नेता रवि नैय्यर, निवर्तमान उप महापौर पुनीत कर्णावट, घाट के बालाजी मंदिर के महंत सुदर्शनाचार्य, रामगंज बाजार के कांवटियो का खुर्रा स्थित प्राचीन रामचंद्र जी मंदिर के महंत पं. लोकेश मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता एच सी गणेशिया, पं. दिनेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। ये अश्व शहर के प्रमुख मंदिरों में पहुंचकर भारतीय नवसंवत्सर के प्रचार-प्रसार का संदेश देंगे। ये अश्व ईशान दिशा में खोले के हनुमान मंदिर, पूर्व में गलताजी, आग्नेय में गोनेर मंदिर, दक्षिण में सांगा बाबा, नैऋत्य में स्वामीनारायण मंदिर, पश्चिम में हाथोज हनुमानजी, वायव्य में कदम्ब डूंगरी तथा उत्तर में आमेर काले हनुमान मंदिर तक जाएंगे और नवसंवत्सर का संदेश देंगे। अश्वों के साथ समिति के कार्यकर्ता पम्पलेट वितरित करते हुए युवाओं से भारतीय नववर्ष को धूमधाम से मनाने का आ ान कर रहे हैं। वहीं 19 मार्च को जयपुर के प्रमुख मंदिरों में घंटे-घडिय़ाल बजाकर नवभोर का स्वागत किया जाएगा। शाम को गोविंददेवजी मंदिर में महाआरती का आयोजन होगा।

नाबालिग बेटी से दुष्कर्म करने वाला सौतेला पिता गिरफ्तार

जयपुर । सदर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग बेटी से दुष्कर्म करने वाले सौतेले पिता को गिरफ्तार किया है है। बताया जा रहा है की वर्ष -2018 में सौतेले पिता ने नाबालिग बेटी को डरा-धमका कर उसके साथ दुष्कर्म किया था । बेटी ने मामले की जानकारी अपनी मां को दी। जिसके बाद आरोपी घर से 2 लाख रुपए नकद व गहने लेकर फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी पिता की गिरफ्तारी के लिए तीन हजार का इनाम घोषित किया था। जयपुर पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि पीड़िता की मां ने मामला दर्ज कराया था कि पति से अनबन होने के कारण वो अपनी बेटी के साथ अलग रह रहीं थी। तभी आरोपी से उसकी मुलाकात हुई । आरोपी ने वर्ष -2018 में आरोपी ने नाबालिग बेटी को डरा-धमकाकर देहशोषण किया। बेटी ने आरोपी की उसकी करतूत के बारे में अपनी मां को बताया। आरोपी को इस बात की भनक लग गई और वो घर से 2 लाख रुपए नकद व गहने चोरी कर मौके से फरार हो गया।

जयपुर में पांच नई लैंड पूलिंग योजनाएं लाने की तैयारी में जुटा जेडीए प्रशासन

सांगानेर, बस्सी और कालवाड़ रोड पर होंगी यह योजनाएं

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में सोमवार को जेडीए के चिंतन सभागार में लैंड पूलिंग योजनाओं को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जयपुर के सुनियोजित एवं संतुलित नगरीय विकास को गति देने के उद्देश्य से पाँच नई लैंड पूलिंग योजनाएँ प्रस्तावित की गईं।

बैठक में जोन-14 में महल रोड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रामचन्द्रपुरा, विधाणी, रामपुरा उर्फ कंवरपुरा, जयचंदपुरा एवं विमलपुरा (तहसील सांगानेर) में लगभग 350 हैक्टेयर क्षेत्र में दो लैंड पूलिंग योजनाओं का प्रस्ताव रखा गया। इसके अतिरिक्त जोन-8 में सांगानेर, जोन-10 में बस्सी तथा जोन-12 में कालवाड़ क्षेत्र में एक-एक लैंड पूलिंग योजना प्रस्तावित की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा राज्य बजट में प्रदेशभर में 20 नई लैंड पूलिंग योजनाएँ प्रारंभ करने की घोषणा की जा चुकी है। इन योजनाओं के माध्यम से भविष्य में पार्क, सीवरेज लाइन, ड्रेनेज, जलापूर्ति, विद्युत व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, स्कूल एवं शैक्षिणक संस्थानों के लिए भूमि, कम्युनिटी सेंटर, हेल्थ सेंटर/डिस्पेंसरी तथा धार्मिक स्थलों सहित विभिन्न सार्वजनिक सुविधाओं का समुचित विकास किया जाएगा। लैंड पूलिंग योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जयपुर में सुनियोजित शहरी विकास को नई गति मिलेगी और नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध हो सकेंगी।

जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने सोमवार को लैंड पूलिंग योजनाओं को लेकर अधिकारियों से चर्चा की।

'राजस्थान में वीरागंनाओं के आत्म सम्मान व बलिदान की गौरव गाथाएं अमर हैं'

सिरे मंदिर धाम स्थित रत्नेश्वर महादेव मंदिर की वर्षगांठ पर महायज्ञ और धर्मसभा का आयोजन

जालोर, (कासं)। जालोर के सिरे मंदिर धाम स्थित रत्नेश्वर महादेव मंदिर की 375वीं वर्षगांठ के अवसर पर सोमवार को गोरक्षधाम गोरखपुर के मठाधीश एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भैरूनाथ अखाड़े के महंत पीर गंगानाथ महाराज की उपस्थिति में महायज्ञ और धर्मसभा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ में आहुति देकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की गई। धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जातियां समाज को व्यवस्थित रूप से संचालित करने का माध्यम है, लेकिन जातिवाद उस व्यवस्था को विकृत कर देता है। भारत में जन्म लेना दुर्लभ है और मनुष्य के रूप में जन्म लेना उससे भी अधिक दुर्लभ है। दुनिया में करीब 200 देश हैं, लेकिन भारत जैसा देश कहीं नहीं है।

जालोर में सिरे मंदिर धाम पर आयोजित धर्मसभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया गया।

- गोरक्षधाम गोरखपुर के मठाधीश एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भैरूनाथ अखाड़े के महंत पीर गंगानाथ महाराज सहित कई संत मौजूद रहे

योगी ने सिरे मंदिर की बारीक कारीगरी को अद्भुत बताते हुए कहा कि महाराजा मानसिंह ने शिलालेखों के माध्यम से यहां के इतिहास को सहेजने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने सिरे मंदिर की कारीगरी को दुर्लभ बताया। इसे देश दुनिया देखने आती है। यह कला ईश्वर की देन है। जोधपुर के महाराजा नरेश मानसिंह ने शिलालेखों पर इतिहास को सहेजा है। उस समय मानसिंह ने 3 लाख 51 हजार रुपए खर्च किए थे, जो आज के समय में करोड़ों रुपए के बराबर हैं। उन्होंने कहा कि जौहर राजस्थान की परंपरा का तेज है, जिसने वीरांगनाओं के आत्म सम्मान और बलिदान की गौरवगाथा को अमर किया। जालोर में भी अलाउद्दीन खिलजी के समय और उसके बाद भी जौहर की परंपरा देखने को मिली है। यह परंपरा वीरों और वीरांगनाओं के बलिदान से बनी है।

योगी ने कहा कि धर्म समाज को जोड़ने का माध्यम होना चाहिए। जातियां समाज को व्यवस्थित रूप से संचालित करने का माध्यम हैं, लेकिन जातिवाद उस व्यवस्था को विकृत कर देता है। इस अवसर पर जालंधर नाथ जी की धन्य धरा पर अति प्राचीन रत्नेश्वर महादेव मंदिर के 375 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में दो दिवसीय महायज्ञ एवं विशाल धर्म सभा में भैरुनाथ जी अखाड़े के महंत पीरजी गंगानाथ महाराज, गोरक्ष पीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज, बाबा मस्तनाथ पीठाधीश्वर एवं तिजारा के विधायक योगी बालकनाथ महाराज, महंत योगी नरहरि नाथ महाराज, योगी संध्यानाथ महाराज, योगी डॉक्टर गिरवरनाथ महाराज, योगी रूपनाथ, योगी केशवनाथ, काशीनाथ महाराज, महंत रामनाथ, पंचम नाथ महाराज, सुंदरईनाथ महाराज, योगी कमलनाथ, नारायणनाथ महाराज, मंगलाईनाथ महाराज, योगी विक्रमनाथ महाराज, योगी आनंदनाथ महाराज, योगी ईश्वर नाथ, राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग समेत कई साधु संत उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालन व्यवस्थापक पारसमल परमार और नरपत आर्य ने किया। साथ ही पारसमल परमार ने सिरे मंदिर में गुरु परम्परा की पूरी जानकारी दी। मंदिर समिति और शहर व ग्रामीण लोगों की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया।

बोलेरो जीप से 42 कार्टन शराब जब्त, दो गिरफ्तार

सदर थाना पुलिस ने बोलेरो जीप से शराब बरामद की।

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एक बोलेरो जीप से 42 कार्टन शराब जब्त की है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।

सदर थानाधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि अवैध शराब तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एएसआई प्रवीण सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने कल्याणपुर से माधुगामडा जाने वाली मुख्य सड़क पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक बोलेरो कार को रुकने का इशारा किया। ड्राइवर से पूछताछ करने पर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। पुलिस ने बोलेरो की तलाशी ली, जिसमें अवैध रूप से किंगफिशर स्ट्रॉन्ग बीयर और अन्य अंग्रेजी शराब के कार्टन भरे हुए मिले। पुलिस ने बोलेरो से 42 कार्टन शराब बरामद की। ड्राइवर के पास शराब के परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। इस पर पुलिस ने शराब के साथ बोलेरो जीप को भी जब्त कर लिया। पुलिस ने मौके से फतेहलाल पुत्र शंकरजी मीणा निवासी सदकडी थाना सेमारी जिला उदयपुर और महेन्द्र सिंह पुत्र किशोर सिंह निवासी कल्याणपुर थाना कल्याणपुर जिला उदयपुर को गिरफ्तार किया है।

जब्त की गई शराब में बीयर की 410 बोतलें, व्हिस्की के 264 पव्वे और देसी शराब के 96 पव्वे शामिल हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, पुलिस दोनों गिरफ्तार आरोपियों से आगे की पूछताछ कर रही हैद्ध ताकि तस्करी के नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

भरतपुर में घरेलू सिलेंडरों के दुरुपयोग करने पर चार जगह दबिश दी

भरतपुर, (निसं)। शहर में घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग के खिलाफ जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए चार स्थानों पर छापेमारी की और 9 सिलेंडर जब्त किए। जब्त किए गए सिलेंडरों का व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा था। इन मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जिला रसद अधिकारी पवन कुमार ने बताया कि भरतपुर जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की सभी उपभोक्ताओं तक पहुंच को सुनिश्चित किया जा रहा है। हमारे यहां घरेलू गैस की जो सप्लाई है, बिलकुल नियमित है। आज भी हमारे पास प्रात: काल 6,800 सिलेंडर लोगों को वितरण करने के लिए उपलब्ध थे, जिनका आज वितरण हुआ है। इसके अलावा घरेलू गैस का कोई दुरुपयोग न हो, इसके लिए जिला स्तर पर जिला प्रवर्तन जांच दल का गठन किया गया है। वह हर स्तर पर जाकर घरेलू गैस की आपूर्ति पर निगरानी रखे हुए हैं। इसके अलावा घरेलू गैस के दुरुपयोग करने के संबंध में भी जांच की जा रही है। भरतपुर शहर में जिन लोगों के द्वारा घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग किया जा रहा है, उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। आज चार स्थानों पर घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग करते हुए पाया गया, जिसमें चार स्थानों पर 9 सिलेंडरों को जब्त किया गया, जिसके तहत कार्रवाई की जाएगी।

- जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए नौ सिलेंडर जब्त किए, जब्त किए गए सिलेंडरों का व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा था

पुष्कर : यज्ञ में भाग लेने आए लोगों पर मधुमक्खियों का हमला

10-12 से ज्यादा घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, दो की हालत गंभीर

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर के पुरुहूता पहाड़ी स्थित चामुंडा माता मंदिर के दर्शन कर वापस पहाड़ी से वापसी के दौरान 10 से ज्यादा ब्राह्मण पंडितों पर मधुमक्खियों ने हमला कद दिया। इससे 10-12 से ज्यादा ब्राह्मण बटुक घायल हो गये। घायलों को पुष्कर के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो की हालत गंभीर है।

जानकारी के अनुसार रेस्क्यू कमेटी के अमित भट्ट, सावरा शर्मा समेत कई जनसेवक मधुमक्खियां के हमले से घायल ब्राह्मण पंडितों को पहाड़ी से रेस्क्यू करके उपचार के लिए नीचे उतारा और 108 सेवा वाहन से पुष्कर अस्पताल पहुंचाया गया। पुष्कर अस्पताल में 10 से 12 घायल वेद पंडितों को चिकित्सा दी जा रही है। इलाज के दौरान अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गौरतलब है कि पुष्कर में 43 दिवसीय चल रहे गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ में भाग लेने के लिए यूपी, एमपी समेत कर्ठ राज्यों से बटुक ब्राह्मण पंडित हवन यज्ञ में भाग लेने आए हुए हैं।

चिकित्सकों ने अस्पताल में घायल बटुकों का इलाज किया।

सोमवार दोपहर को 10-15 ब्राह्मण पंडित चामुंडा माता पुरुहूता पहाड़ी दर्शन करने गए थे। दर्शन कर लौटने के दौरान पहाड़ी पर मधुमक्खियों ने पंडितों पर हमला कर घायल कर दिया, जिसके चलते कई ब्राह्मण पंडित पहाड़ पर ही बेहोश हो गए। स्थानीय लोगों ने पुष्कर की जनसेवा करने वाली रेस्क्यू टीम के लोगों को सूचना दी, जिसके चलते रेस्क्यू टीम ने घायल पंडितों को पहाड़ी से नीचे उतारकर पुष्कर अस्पताल पहुंचाया।

हिस्ट्रीशीटर पर धमकी का आरोप

जोधपुर, (कासं)। शहर के मंडोर स्थित नयापुरा क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति को कुछ लोगों ने जान की धमकी दी है। उसे वसूली के लिए धमका रहे हैं। आरोपियों में एक मंडोर थाने का हिस्ट्रीशीटर बताया गया है। इनके बीच में आपसी लेनदेन का विवाद होना भी बताया जाता है। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज किया है।

थानाधिकारी किशनलाल ने बताया कि नयापुरा मंडोर निवासी रमेश कुमार पुत्र गुलाबराम सुथार की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसे पवन सोलंकी, नरेंद्र सिंह एवं महिपाल सिंह आदि जान की धमकी दे रहे हैं। उसे कॉल कर रूपयों की वसूली के लिए धमकाया जा रहा है। थानाधिकारी किशनलाल ने बताया कि परिवादी रमेश सुथार औ पवन सोलंकी के बीच में वर्ष 2017-18 में आपसी लेनदेन हुआ था, जोकि काफी रूपए थे।

सूने मकानों से लाखों के जेवर और नगदी चुराई

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पूर्व एवं पश्चिम में नकबजनों ने दो सूने मकानों में सैंध लगाकर वहां से लाखों के जेवर और नगदी चुरा ली। संबंधित थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

झंवर पुलिस ने बताया कि कुमारिया नाड़ा बड़ला नगर निवासी मनीष पुत्र हीराराम जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि दोपहर करीब 1 से 3 बजे के बीच उसके घर पर चोरी हुई। घटना के समय परिवार के सदस्य जीरे की फसल के लिए खेत पर गए हुए थे। इस बीच घर सूना था और चोर दिनदहाड़े दाखिल हुए। चोरों ने मुख्य गेट का ताला तोड़कर घर के अंदर आए और कमरे में रखी तिजोरी का लॉक तोड़ दिया। जहां रखी डेढ़ तोला सोने की कंठी, एक तोला सोने का बोरिया तथा पांच हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए। सूचना पर झंवर पुलिस ने मौका मुआयना किया। दूसरी तरफ मूलत : पीपाड़शहर के रतकुडिया हाल शिव शक्ति नगर, नांदड़ी में किराए पर रहने वाली गुड्डी देवी पत्नी सीताराम जाट ने रिपोर्ट दी कि उसके घर में चोरों द्वारा सैंध लगाकर वहां से लाखों के जेवरात और नगदी चुरा ले गए।

किसान की मौत : -उदयपुर में कुएं में डूबने से किसान की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार रात में वल्लभनगर थाना क्षेत्र करणपुर घाटी तलाई निवासी खेमराज (39) पुत्र ठाकरू मीणा की कुएं में डूबने से मौत हो गई। खेमराज खेत पर फसल को पानी पिलाने के लिए मोटर चालू करने गया। इस दौरान पांव फिसलने पर कुएं में गिरने से डूबने पर उसकी मौत हो गई।

15 लाख के गहने व्यापारी ने किसान को लौटाए

पाली, (निसं)। खैरवा गांव में अनाज व्यापारी ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। अनाज व्यापारी ने सच्चाई की मिसाल पेश करते हुए गेहूं के कट्टे में मिले किसान के करीब 15 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने सुरक्षित वापस लौटा दिए। यह मामला पाली जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित खैरवा गांव का है। यहां रहने वाले अनाज व्यापारी मांगू खान ने करीब 15 दिन पहले गांव के किसान घीसाराम घांची से 50-50 किलो के दो गेहूं के कट्टे खरीदे थे। उस समय किसी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि इन कट्टों में गेहूं के साथ कीमती गहने भी रखे हुए हैं। किसान की पत्नी ने घर के गहने सुरक्षित रखने के लिए गेहूं के कट्टे में छिपा दिए थे लेकिन बाद में किसान ने अनजाने में वही कट्टे अनाज व्यापारी को बेच दिए।

अज्ञात कारणों से गेहूं की खड़ी फसल में भीषण आग लगी

चिड़ावा, (निसं)। क्षेत्र के बारी और भामरवासी गांव की सीमा पर सोमवार को एक खेत में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और पास ही खड़ी गेहूं की पकी हुई फसल को अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत यह रही कि समय रहते सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना बारी का बास निवासी अजय और अनिल बराला के खेत की है। दोपहर के समय अचानक उठी आग की लपटों ने खेत के बड़े हिस्से को कवर कर लिया। चूंकि गेहूं की फसल पूरी तरह पक कर तैयार थी, इसलिए सूखी फसल ने तेजी से आग पकड़ ली। धुएं का गुबार देखकर आस-पास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके की ओर दौड़े। घटना की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और दमकल विभाग को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही चिड़ावा, पिलानी और बगड़ से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यदि आग बुझाने में थोड़ी भी देरी होती, तो तेज हवाओं के कारण यह आस-पास के अन्य खेतों की सैकड़ों बीघा फसल को स्वाहा कर सकती थी।

- ग्रामीणों ने ट्रैक्टरों और पानी के टैंकरों की सहायता से आग को फैलने से रोकने के प्रयास किए

हादसे की खबर मिलते ही बारी, भामरवासी और आस-पास के ढाणियों से बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने ट्रैक्टरों और पानी के टैंकरों की सहायता से भी आग को फैलने से रोकने के प्रयास किए। फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन इस घटना में किसान को आर्थिक नुकसान पहुंचा है।

मादक पदार्थ सहित दो गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला स्पेशल टीम ने बनेठा कस्बे में छापामारी करते हुए रिंकेश पुत्र रोहित सांसी व अफसर पुत्र इशाक मोहम्मद को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब पांच लाख रुपए की 22 ग्राम स्मैक, एक किलो दस ग्राम गांजा और दो बाइक जब्त की है। जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि मुखबिर की मिली सूचना पर टीम ने बाइक पर सवार दो आरोपी जो टोंक से चौथ का बरवाड़ा जा रहे थे, जिनसे पूछताछ के बाद मादक पदार्थ की बनेठा में सप्लाई करते हुए पकड़ लिया। इनकी तलाशी ली गई तो इनके पास पांच लाख की कीमत की 22 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक व 50 हजार रुपए की कीमत का 1 किलो 10 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं दो बाइक जब्त की गई।

कैलादेवी का मेला शुरु, पहले दिन दो लाख से अधिक दर्शनार्थी पहुंचे

यूपी, एमपी, हरियाणा, दिल्ली तक के पद यात्रियों की कतारें लगी हुई है

कैलादेवी/करौली, (निसं)। उत्तरी भारत के सुप्रसिद्ध केलादेवी के चैत्र नवरात्रा मेले का शुभारंभ हो गया। शुभारंभ के पहले दिन सोमवार को मां कैलादेवी के करीब 2 लाख से अधिक दर्शनार्थियों ने ढोक लगाकर मनौती मांगी। वहीं मेले के शुभारंभ से पूर्व तीन दिन में करीब 3 लाख 50 हजार यात्री दर्शन लाभ ले चुके थे।

जानकारी के अनुसार हर वर्ष की भांति इस वर्ष उत्तरी भारत का सुप्रसिद्ध लख्खी मेले का सोमवार को शुभारंभ हुआ शुभारंभ के पहले दिन प्रात: चार बजे से यानी मंगल दर्शनों से लेकर रात नौ बजे तक दर्शनार्थियों की मां के मंदिर में दर्शनों के लिए कतारें लगी रही और लांगुरिया गीतों एवं मां के जयकारों के साथ दर्शनार्थी दर्शनों का लाभ लेते रहे। उधर मां कैला देवी के दर्शनों के लिए दूर दराज देश के कई प्रदेशों खास तौर से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली तक के पद यात्रियों की कतार कैला देवी से करौली, हिंडौन, बयाना, मासलपुर सर, मथुरा बड़ी सड़क मार्ग पर होकर मां केला देवी आस्था धाम पहुंचने लगी हुई है।पद यात्रियों की सेवा में केला देवी मंदिर ट्रस्ट और पुलिस प्रशासन पूरी तरह से जुटा हुआ है। इनके अलावा क्षेत्र के भामाशाह और सामाजिक कार्यकर्ताओं के अलावा बाहर के भामाशाह लोगों ने पद यात्रियों के लिए भोजन व्यवस्था, जलपान चाय-नाश्ता आदि के निशुल्क भंडारे जगह-जगह संचालित कर पद यात्रियों की सेवा में जुटे हुए देखे जा रहे हैं। केला देवी मंदिर ट्रस्ट द्वारा करौली केला देवी सड़क मार्ग पर दो विशाल भंडारे चालू कर रखे हैं। इनके अलावा करौली में कई स्थानों पर पद यात्रियों की सेवा में निशुल्क भंडारे भामाशाह और सामाजिक लोगों ने चला रखे हैं।

केलादेवी के चैत्र नवरात्रा मेले में दर्शनार्थियों ने मनौती मांगी।

- मेले के शुभारंभ से पूर्व तीन दिन में करीब 3 लाख 50 हजार यात्री दर्शन लाभ ले चुके थे

कैला देवी मंदिर ट्रस्ट के लीगल एडवाइजर और कंट्रोल रूम प्रभारी एडवोकेट संतोष सिंह ने बताया कि मंदिर ट्रस्ट द्वारा यात्रियों के लिए पर्याप्त सुविधा दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि मेले के पहले दिन करीब 2 लाख दर्शनार्थी दर्शन लाभ ले चुके थे। उन्होंने बताया कि मेले से तीन दिन पूर्व से ही दर्शनार्थियों की दर्शनों के लिए भीड़ उमड़ी इन तीन दिनों में करीब 3 लाख 50 हजार दर्शन लाभ ले चुके थे।

मेला मजिस्ट्रेट प्रेमराज मीना ने बताया कि जिला कलैक्टर की देखरेख में कैला देवी मेले की व्यवस्थाओं के लिए प्रशासन और केला देवी मंदिर ट्रस्ट पूर्ण रूप से मुस्तेदी से लगा हुआ है।

विदेश से एमबीबीएस डिग्री वालों को दोबारा करनी होगी पढ़ाई

बीकानेर, (निसं)। विदेश से एमबीबीएस की डिग्री लेकर आए स्टूडेंट्स की लिए परेशानी खड़ी हो गई है। नेशनल मेडिकल काउंसिल ने विदेशी मेडिकल छात्रों को दोबारा ऑफलाइन क्लास लेने के आदेश दिए हैं। यदि ऐसा होता है तो स्टेस्ट मेडिकल काउंसिल परमानेंट रजिस्ट्रेशन नहीं देगी।

- नेशनल मेडिकल काउंसिल ने विदेशी मेडिकल छात्रों को दोबारा ऑफलाइन क्लास लेने के आदेश दिए

काउंसिल का आदेश है कि कोरोना पीरियड में जो पढ़ाई ऑनलाइन की गई थी, उसे अब फिजिकल ऑनसाइट क्लास और क्लिनिकल ट्रेनिंग लेनी होगी। एनएमसी सचिव डॉ. राघव लांगर की ओर से सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को स्टेट मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार को यह आदेश भेजा गया है। इधर, इस आदेश के बाद विदेश से डिग्री लेकर आए स्टूडेंट के लिए परेशानी खड़ी हो गई है। इसे लेकर सोमवार को दिल्ली में एनएमसी के मुख्यालय पर स्टूडेंट्स एकत्र हो रहे हैं। ये स्टूडेंट्स एनएमसी के अधिकारियों से मिलकर नियम में छूट के लिए अपील करेंगे। वहीं इन आदेशों को लेकर स्टूडेंट्स ने एकजुट होने का आंदोलन छेड़ दिया है। जानकारी के अनुसार कोराना काल के समय ऑनलाइन पढ़ाई की गई थी। ऐसे में आयोग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जिन विदेशी मेडिकल छात्रों ने अपने कोर्स का कोई हिस्सा ऑनलाइन माध्यम से किया है, उन्हें उसकी भरपाई के लिए फिजिकल ऑनसाइट (ऑफलाइन) क्लास और क्लिनिकल ट्रेनिंग अनिवार्य रूप से करनी होगी।

दोस्तों में आपसी विवाद के बाद चाकूबाजी

मामले में आरोपी के पिता को पुलिस ने शांतिभंग में पकड़ा, आरोपी फरार

जोधपुर, (कासं)। शहर के विवेक विहार पुलिस थाना क्षेत्र के नंदवान गांव में दोस्तों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस पर एक दोस्त ने दूसरे दोस्त पर घरेलु चाकू से हमला कर दिया। चाकू का वार दूसरे दोस्त की पीठ में लगा। उसे अस्पताल ले जाया गया और केस दर्ज किया गया। पीड़ित के भाई की तरफ से विवेक विहार थाने में इस बाबत रिपोर्ट दी गई है। मामले में आरोपी के पिता को पुलिस ने शांतिभंग में पकड़ा है, मगर आरोपी हाथ नहीं लगा है।

विवेक विहार थाना पुलिस ने बताया कि बेनिवालों का बास नंदवान निवासी बुधाराम पुत्र प्रतापराम जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका भाई जेठाराम और ताराचंद आपस में दोस्त है। 14 मार्च की शाम को यह लोग साथ बैठे थे। तब किसी बात को लेकर विवाद हो गया और ताराचंद ने उसकी पीठ पर घर में रखे चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह जख्मी हो गया। पुलिस ने बताया कि घायल को प्राथमिक उपचार करवाया गया। आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। उसके पिता को पुलिस ने शांतिभंग में पकड़ा है। मामले में जांच एसआई सरोज लता की तरफ से की जा रही है।

मेरी महेंद्र सिंह धोनी से फोन पर कई बार बातचीत हो चुकी है और अब आईपीएल 2026 में सीएसके के लिए उनके साथ खेलना उनके लिए सीखने का बड़ा मौका होगा।

- संजू सैमसन

भारतीय क्रिकेटर, सीएसके टीम में धोनी के साथ खेलने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी पीटी उषा

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी उषा ने कहा है कि भारत में खेल प्रशासन के लिये नीतियां ऐसी होनी चाहिये कि निर्णय लेने में खिलाड़ियों को केंद्र में रखा जाये। भारतीय खेल पत्रकार महासंघ के स्वर्ण जयंती समारोह के तीसरे दिन उषा ने कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रशासकों और खेल ईकाइयों की सर्वोपरि प्राथमिकता खिलाड़ियों की तैयारी, कल्याण और विकास रहे। उषा ने कहा ,'' पिछले एक दशक में हमने बदलाव देखा है जिस तरह से खेल को सहयोग और उत्साहवर्धन मिल रहा है। खिलाड़ियों के पास आज बेहतर बुनियादी ढांचा, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और मजबूत संस्थागत सहयोग है।''

क्या आप जानते हैं ?... अभिषेक शर्मा ने जनवरी 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ केवल 22 गेंदों में अर्धशतक लगाकर रोहित शर्मा और केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ा।

चिन्नास्वामी स्टेडियम करेगा मैचों की मेजबानी, समिति ने दी मंजूरी

बेंगलुरु, 16 मार्च। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम को आईपीएल मैचों की मेजबानी करने की मंजूरी मिल गई है। कर्नाटक सरकार द्वारा गठित की गई विशेषज्ञों की समिति ने स्टेडियम को मैच आयोजित करने की हरी झंडी दे दी है। आईपीएल 2026 सीजन से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के प्रशंसकों को बड़ी राहत मिली है। ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा गठित की गई विशेषज्ञों की समिति ने बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल के मुकाबले आयोजित करने की मंजूरी दे दी है। आरसीबी को होम प्रारूप में अपने पांच मैच चिन्नास्वामी में खेलने हैं, जबकि दो मुकाबले टीम रायपुर में खेलेगी। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है और गत चैंपियन आरसीबी पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी।

फाइनल मैच की मेजबानी करेगा चिन्नास्वामी

केएससीए के अधिकारियों, आरसीबी के शीर्ष प्रबंधन और जी महेश्वर राव की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति के सदस्यों की सोमवार को बैठक हुई जिसके बाद अंतिम मंजूरी दी गई। चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के पांच घरेलू मैच खेले जाएंगे, जबकि अन्य दो मैच रायपुर के शहीद वीर नारायण स्टेडियम में होंगे। यह फ्रेंचाइजी और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच पहले से हुए समझौते के अनुसार है। वहीं, आईपीएल नियमनुसार चिन्नास्वामी स्टेडियम फाइनल मैच की मेजबानी भी करेगा। हालांकि, अभी आईपीएल का पूरा कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है, लेकिन यह तय हो गया है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के मुकाबले होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हाल ही में जब आईपीएल का कार्यक्रम घोषित किया था तो यह स्पष्ट लिखा था कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच आयोजित होना सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगा।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, आरसीबी ने पिछले सीजन आईपीएल का खिताब पहली बार अपने नाम किया था। आरसीबी के फैंस ने इस ऐतिहासिक जीत का जश्न धूमधाम से मनाया था और जब टीम ट्रॉफी लेकर बंगलूरू पहुंची तो टीम का सम्मान किया गया। राज्य सरकार ने पहले टीम का सम्मान किया और फिर आरसीबी खिलाड़ियों को केएससीए द्वारा चिन्नास्वामी स्टेडियम में सम्मानित किया गया। टीम के पहुंचने से पहले ही चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी और देखते ही देखते जश्न मातम में बदल गया था। चार जून 2025 को हुई इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हुई थी और कई लोग घायल हो गए थे।

पाकिस्तानी खिलाड़ी खरीदना भारतीयों की जान से खिलवाड़ : सुनील गावस्कर

नई दिल्ली, 16 मार्च। इंग्लैंड की लीग द हंड्रेड में सनराइजर्स लीड्स ने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को खरीदा था, इस पर विवाद खड़ा हो गया है। इस फैसले पर पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। गावस्कर ने कहा कि भारतीय मालिकों का पाकिस्तानी खिलाड़ियों को खरीदना भारतीयों की जान से खिलवाड़ जैसा है और ऐसे फैसलों से बचना चाहिए। इन पैसों से भारत के खिलाफ लड़ने के लिए हथियार खरीदे जाते हैं। 13 मार्च को लंदन में हुए ऑक्शन में अबरार को 2.34 करोड़ में खरीदा गया था। ऑक्शन में काव्या मारन मौजूद थीं, जो सनराइजर्स की हैं। जिनके पास आईपीएल की सनराइजर्स हैदराबाद और साउथ अफ्रीका लीग की टीम सनराइजर्स ईस्टर्न केप भी है। अबरार को खरीदने के फैसले के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने काफी विरोध भी किया था। का ऑफिशियल अकाउंट भी टेम्परेरी तौर पर बैन कर दिया गया था।

सुनील गावस्कर ने कहा कि द हंड्रेड में किसी भारतीय मालिक वाली टीम द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ी को खरीदने पर विवाद होना हैरान करने वाली बात नहीं है। मुंबई हमलों के बाद से भारतीय फ्रेंचाइजी मालिक आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नहीं लेते रहे हैं। गावस्कर के मुताबिक जब पाकिस्तानी खिलाड़ी को फीस दी जाती है, तो वह अपने देश में टैक्स देता है और वह पैसा वहां की सरकार के पास जाता है।

उन्होंने कहा कि वही पैसा हथियार खरीदने में इस्तेमाल हो सकता है और इससे भारतीय सैनिकों व नागरिकों को नुकसान पहुंच सकता है। गावस्कर ने कहा कि सनराइजर्स लीड्स के कोच डेनियल विट्टोरी न्यूजीलैंड के हैं, इसलिए हो सकता है कि वे इस स्थिति को पूरी तरह न समझ पाए हों और उन्होंने टीम में पाकिस्तानी खिलाड़ी को लेने की सलाह दी हो। लेकिन टीम के मालिक को हालात की पूरी समझ होनी चाहिए थी और उन्हें यह खरीद रोक देनी चाहिए थी। गावस्कर ने सवाल उठाया कि क्या ऐसा टूर्नामेंट जीतना, जिसे दुनिया के बाकी देश नहीं खेलते, भारतीय लोगों की जान से ज्यादा महत्वपूर्ण है?

आईपीएल सीजन में ट्रॉफी जीतना लक्ष्य : सूर्यवंशी

नई दिल्ली, 16 मार्च। बीसीसीआई नमन पुरस्कार समारोह में बोलते हुए, 14 वर्षीय सूर्यवंशी ने कहा कि 2026 आईपीएल सीजन में उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है और वह टीम को यह उपलब्धि हासिल करने में मदद करने के लिए अपना पूरा योगदान देना चाहते हैं। सूर्यवंशी ने स्टार स्पोर्ट्स द्वारा इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि इस सीजन में टीम के लिए ट्रॉफी जीतना मेरा लक्ष्य है। अगर हम ट्रॉफी जीतते हैं, तो इससे पूरी फ्रेंचाइजी के साथ-साथ मेरे प्रदर्शन को भी फायदा होगा। मेरा उद्देश्य टीम को ट्रॉफी दिलाने में अपना पूरा योगदान देना है। अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ सूर्यवंशी को उनकी मैच-विनिंग पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। उन्होंने 80 गेंदों में 15 चौकों और छक्कों की मदद से 175 रन बनाए, जिसमें उन्होंने 55 गेंदों में शतक पूरा किया।

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः– 939 दिनांकः– 12.03.2026

–:: निविदा सूचना ::–

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: 920 दिनांक 11/03/2026 की निविदा दिनांक 12/03/2026 से दिनांक 25/03/2026 06.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 27/03/2026 को 15.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 27/03/2026 को 16.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526SLOB38043 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त
नगर परिषद, बून्दी

राज.संवाद/सी/25/22549

कार्यालय नगर परिषद् कोटपूतली (कोटपूतली-बहरोड़)

Email id : kotputliulb.jaipur@yahoo.com

क्रमांक न.प.कोट/2025–26/925 दिनांकः– 12.03.2026

ई–निविदा सूचना संख्या न.प.कोट./2025–26/906

नगरपरिषद कोटपूतली की ओर से निमंलिखित कार्य के लिए सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है निविदा website www.sppp.raj.in/eproc.rajasthan.gov.in से download कर देखी / प्राप्त की जा सकती है RTPP एक्ट की नियम और शर्त लागु होंगी जिसके **NIB Code** व **UBN No.** इस प्रकार है

S.NO	WORK S.NO.	SPPP UBN	NIB NO.
1.	01	DLB2526SLOB38188	DLB2526B2840

आयुक्त
नगरपरिषद् कोटपूतली

राज.संवाद/सी/25/22551

कार्यालय नगरपालिका, मारवाड़ जंक्शन (पाली)

E-Mail No- marwarjunction.lsg@rajasthan.gov.in
E. Mail No – eomarwarj@gmail.com Phone No 02935 – 297877

क्रमांक : न.पा.मा.जं./भण्डार/2025.–26/2473 दिनांकः–12.03.2026

निविदा सूचना

एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिका, मारवाड़ जंक्शन के भण्डार कार्यो की ऑफलाईन निविदाएं आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सम्बंधित विस्तृत जानकारी पालिका के नोटिस बोर्ड अथवा वेब पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है, जिसके यू.बी.एन. नम्बंर 1– DLB2526SLRC38376 है।

1. निविदा जारी दिनांक :– 12.03.2026
2. निविदा आरम्भ दिनांक :– 13.03.2026
3. निविदा अंतिम दिनांक :– 22.03.2026

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका, मारवाड़ जंक्शन

राज.संवाद/सी/25/22452

सैमसन-किशन और युवा जोश से भारत बना चैम्पियन : सूर्यकुमार

नई दिल्ली, 16 मार्च। भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप जीत के पीछे की रणनीति और टीम की सोच का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि संजू सैमसन का चयन, अभिषेक शर्मा की फाइनल में आक्रामक बल्लेबाजी और ईशान किशन पर भरोसा इस सफलता के अहम कारण रहे। साथ ही उन्होंने भारतीय टीम की 'फियरलेस' संस्कृति का श्रेय पूर्व कप्तानों और सीनियर खिलाड़ियों को दिया। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने लगातार दो आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीतने के अनुभव को बेहद खास बताया है। उन्होंने कहा कि जब यह तय हुआ कि 2026 का टूर्नामेंट भारत में खेला जाएगा, तभी से टीम ने इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। सूर्यकुमार ने बताया कि टीम ने करीब 17-18 महीने पहले से ही अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी थी और खिलाड़ी भी इस चुनौती को लेकर काफी उत्साहित थे। भारतीय टी20 कप्तान ने कहा, लगातार दो वर्ल्ड कप जीतना अपने आप में शानदार अनुभव है। जब हमें पता चला कि यह वर्ल्ड कप भारत में खेला जाएगा, तब से ही हमने इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। खिलाड़ी काफी उत्साहित थे और हम सब जानते थे कि यह हमारे लिए कितना बड़ा मौका है। उन्होंने आगे कहा कि युवा खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप जीतने की अहमियत समझाना भी जरूरी था। कप्तान ने कहा, मैंने खिलाड़ियों से कहा कि अभी जब वे 24-27 साल के हैं, तब शायद उन्हें इसकी पूरी अहमियत महसूस नहीं होगी। लेकिन जब वे अपने करियर के अंत में पीछे मुड़कर देखेंगे, तब समझ आएगा कि उन्होंने कितने वर्ल्ड कप जीते हैं।

अब क्या आईसीसी ट्रॉफी चुराएंगे नकवी : कामरान

बांग्लादेश से सीरीज हारने पर मोहसिन नकवी को लताड़ा

नई दिल्ली, 16 मार्च। पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से हार मिली है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ 11 साल बाद कोई द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीती है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की खूब आलोचना हो रही है। पहले गलत चयन को लेकर पीसीबी की आलोचना हुई थी, अब हार को लेकर भी पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर्स अपनी टीम के खिलाफ ही आग उगल रहे हैं।

कामरान अकमल ने कहा, अगर आप मैचों में विपक्षी टीमों को नहीं हरा सकते तो क्या अब आप आईसीसी ट्रॉफी चुराकर घर लाएंगे? आप इतने परेशान क्यों हो रहे हैं? यह क्रिकेट नहीं, कॉमेडी सीरियल लग रहा है। मैं तो इसे उसी तरह देखकर एंजॉय कर रहा हूं। हम अब इसके आदी हो चुके हैं। यह टीम मैनेजमेंट तीन मैचों में 30 खिलाड़ियों को भी खिला दे, तब भी नतीजा यही रहेगा। उन्हें नतीजों की कोई चिंता नहीं है। उन्हें सिर्फ प्रयोग करना है। उन्हें समझ ही नहीं आ रहा कि पाकिस्तान क्रिकेट लगातार नीचे जा रहा है। आज वे 10वें नंबर की टीम से हार गए। अब इसका जवाब क्या देंगे? फैंस का दिल टूट रहा है और वे अब क्रिकेट में दिलचस्पी खोने लगे हैं। पाकिस्तान की 2009 टी20 विश्वकप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे कामरान अकमल ने तीसरे वनडे में हार के बाद कहा, हालात अब ऐसे हैं कि नीदरलैंड्स हमसे सीरीज खेलना चाहता है। वह हमें हराकर टेस्ट टीम होने का दर्जा ले लें। पाकिस्तान क्रिकेट के अब ये हालात हैं। बांग्लादेश ने तीसरे वनडे में आसानी से 350 रन बनाए होते, लेकिन वह 290 रन ही बना सके। लिटन दास ने धीमी पारी खेली। इसके बावजूद पाकिस्तान की टीम हार गई।

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.

D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in

Ref. No. : F-8( ) RMSC/EPM/M-4/NIB-933/2025-26/1817 Dated :- 10/03/2026

CORRIGENDUM / ADDENDUM

Bid for item:

1. Deep Freezer, Fowler Bed, Stead Bed, Foot Step, Syringe Infusion Pump, Glucostrip & Pulse Oxymeter (Handheld),
2. White Box (Sharp Container), & Transport Trolley (Wheel Barrow) Reserve for MSE, Rajasthan Only

are invited from interested bidders up to Date: 18-03-2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.

UBN : MSC2526GLOB00056

Executive Director (EPM)
Rajasthan Medical Services Corporation

Raj.Samwad/C/25/22586

स्टेट लेवल यूथ कप अंडर-17 उद्घाटन मैच में कोड़ाई क्रिकेट एकेडमी ने राजस्थान एकेडमी को हराया

जयपुर, 16 मार्च। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर - 17 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए उदघाटन मैच में कोड़ाई क्रिकेट एकेडमी ने दि राजस्थान एकेडमी को 82 रनो से हराया। आर जे 14 ग्राउंड पर कोड़ाई एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए उदित टांक के 34 रन, शिवांजल अग्रवाल के 49 रन, सात्विक जैन के 88 रन व गुरवंश निर्वाण के 11 रनो से 50 ओवर में 10 विकेट पर 240 रन बनाए। दि राजस्थान एकेडमी के लिए राहुल मीणा ने 53 पर 2, मनीष हरितवाल ने 38 पर 2, रवि कश्यप, मुकुल सीकर व अभी देवंदा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में दि राजस्थान एकेडमी की टीम मुकुल सीकर के 12 रन, शिवम सरधना के 14 रन, रवि कश्यप के 19 रन, मनीष हरितवाल के 64 रन व अक्षय शर्मा के 13 रनो से 33.3 ओवर में 158 रन बनाकर आउट हो गई। कोड़ाई एकेडमी के लिए सात्विक जैन ने 33 पर 3, चर्चित निर्वाण ने 31 पर 3, मनन ने 27 पर 2 व नमन सिंघानिया व प्रत्यूष ने एक - एक विकेट लिया।

सिनर-सबालेंका पहली बार इंडियन वेल्स चैम्पियन

नई दिल्ली, 16 मार्च। अमेरिका के कैलिफोर्निया में खेले गए इंडियन वेल्स ओपन में इटली के जैनिक सिनर और बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने खिताब जीता। मेन्स सिंगल्स के फाइनल में सिनर ने रूस के डैनियल मेदवेदेव को हराकर अपना पहला इंडियन वेल्स टाइटल जीता। वहीं, विमेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने एलिना रायबाकिना के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की।

सिनर फेडरर और जोकोविच के क्लब में शामिल हुए सिनर ने इस जीत के साथ हार्ड कोर्ट पर होने वाले सभी बड़े खिताब अपने नाम कर लिए हैं। इनमें छह मास्टर्स 1000, निट्टो फाइनल्स, ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन शामिल हैं। इससे पहले यह उपलब्धि सिर्फ रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के नाम थी। सिनर ने 2023 में टोरंटो में अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता था और अगले तीन सालों के भीतर ही उन्होंने हार्ड कोर्ट के सभी बड़े एलीट खिताब अपने नाम कर लिए।

सिनर ने मेदवेदेव को 7-6, 7-6 से हराया

पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं हारा जैनिक सिनर ने फाइनल में पहला सेट टाईब्रेक में 7-6 (8-6) से जीता। इसके बाद दूसरे सेट में भी कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन सिनर ने इसे 7-6 (7-4) से अपने नाम कर लिया।खास बात यह रही कि सिनर ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया और सीधे सेटों में जीत दर्ज करते हुए पहली बार इंडियन वेल्स मास्टर्स वेल्स की ट्रॉफी अपने नाम की।

विमेंस फाइनल: सबालेंका ने चैंपियनशिप पॉइंट बचाया और मैच जीता

विमेंस सिंगल्स का फाइनल में आर्यना सबालेंका ने एलिना रायबाकिना को 3-6, 6-3, 7-6 (8-6) से हराया। सबालेंका पहला सेट हार गई थीं, लेकिन उन्होंने जबरदस्त वापसी की। तीसरे सेट के टाइ-ब्रेकर में मुकाबला इतना फंस गया था कि रायबाकिना के पास चैंपियनशिप पॉइंट था, लेकिन सबालेंका ने उसे बचाया और जीत हासिल की। यह सबालेंका का पहला इंडियन वेल्स खिताब है। इससे पहले वह दो बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में हार चुकी थीं।

विवादास्पद डीआरएस को लेकर पाक ने की मैच रैफरी से आधिकारिक शिकायत

नई दिल्ली, 16 मार्च। यह घटना 50वें ओवर की आखिरी गेंद से ठीक पहले हुई, जिसने मेजबान टीम को मैच में अजेय स्थिति में पहुंचा दिया। ऋषद हुसैन के उस ओवर से पहले, पाकिस्तान को दो गेंदों में जीत के लिए 12 रन चाहिए थे। बांग्लादेश के कप्तान ने लेग स्टंप पर एक हवा में उछाली गई गेंद फेंकी जो शाहीन अफरीदी से दूर लेग साइड की ओर घूम गई। मैदान पर मौजूद अंपायर ने इसे वाइड करार दिया, लेकिन असली ड्रामा तब शुरू हुआ जब मेजबान टीम ने एलबीडब्ल्यू के लिए रिव्यू लेने का फैसला किया, जबकि गेंद शाहीन अफरीदी के स्टंप्स के पास भी नहीं थी।

जब बड़े पर्दे पर रिप्ले दिखाए गए, तो पता चला कि गेंद शाहीन के बल्ले के किसी हिस्से को छू गई थी, और अंततः अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। रिप्ले देखने के बाद शाहीन निराश होकर मैदान से बाहर चले गए क्योंकि समीकरण एक गेंद पर 12 रन का हो गया था। पाकिस्तानी बल्लेबाज आखिरी गेंद पर स्टंप आउट हो गए। बांग्लादेश ने निर्णायक मैच 11 रनों से जीतकर वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

सामान्य नियमों के तहत खिलाड़ियों को रिप्ले दिखाने से पहले ही रिव्यू लेने का फैसला किया जाना चाहिए ताकि वे फुटेज का इस्तेमाल अपने फैसले को प्रभावित करने के लिए न कर सकें।

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

केंद्र/ राज्य सरकार के विभागों एवं रा. रा. वि. प्र.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत/ मान्य निविदाकारों से अधिशासी अभियंता (सिविल), अजमेर / सीकर / मेड़ता सिटी के अधीन ई- निविदा सूचना संख्या 28/2025-26 में क्र. स. 01 से 08 पर वर्णित सिविल कार्यों के लिए निर्धारित प्रपत्र में मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। अधिशासी अभियंता (सिविल), अजमेर / सीकर / मेड़ता सिटी के अधीन निविदा सूचना संख्या 29/2025-26 में क्र. स. 01 से 12 पर वर्णित कार्यों के लिए निर्धारित प्रपत्र में ई- प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑन लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, https://energy.rajasthan.gov.in/rrvpn एवं http://sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है।

UBN No. :- For NIB No. 28/2025-26 VPN2526SSOB03363, VPN2526SSOB03366, VPN2526SSOB03367, VPN2526SSOB03369, VPN2526WSOB03356, VPN2526WSOB03357, VPN2526WSOB03346, VPN2526WSOB03348

UBN No. :- For NIB No.29/2025-26- VPN2526WSOB03371, VPN2526WSOB03376, VPN2526WSOB03377, VPN2526WSOB03358 to VPN2526WSOB03361, VPN2526WSOB03378, VPN2526WSOB03350 to VPN2526WSOB03352, VPN2526WSOB03354

अधीक्षण अभियंता
(सिविल), अजमेर

राज.संवाद/सी/25/22571 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7428/2026

मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2026 के लिए कैम्प शुरू

मुंबई, 16 मार्च। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने सोमवार से 2026 के लिए अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। मुंबई में आयोजित इस प्री-सीजन कैंप के पहले दिन खिलाड़ियों ने फिटनेस और कंडीशनिंग पर फोकस किया। हेड कोच महेला जयवर्धने की देखरेख में खिलाड़ियों ने मैदान पर पसीना बहाया। इस कैंप में गेंदबाजी कोच लसिथ मलिंगा और पारस म्हाम्ब्रे भी मौजूद रहे। पहले ट्रेनिंग सेशन में शार्दुल ठाकुर, मयंक मार्कंडे, अल्लाह गजनफर, नमन धीर, राजा अंगद बावा, रोबिन मिन्ज, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मलेवार, मोहम्मद इजहार और अश्विनी कुमार शामिल हुए। सेशन की शुरुआत फिटनेस और कंडीशनिंग ड्रिल से हुई। खिलाड़ियों ने मूवमेंट ड्रिल, एजिलिटी एक्सरसाइज और फिटनेस टेस्ट में हिस्सा लिया।

ट्रेनिंग सेशन में बॉलिंग कोच पारस म्हांब्रे और लसिथ मलिंगा, फील्डिंग कोच कार्ल हॉपकिंसन के साथ स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग और फिजियो टीम भी मौजूद रही। हेड कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि प्री-सीजन का पहला दिन हमेशा खास होता है। खिलाड़ी मैदान पर आते हैं तो टीम में नई ऊर्जा दिखती है और यहीं से पूरे अभियान की दिशा तय होती है। उन्होंने कहा कि टीम में ऐसे खिलाड़ी हैं जो फ्रेंचाइजी को अच्छी तरह जानते हैं, वहीं कुछ नए चेहरे भी शामिल हुए हैं।

लक्ष्य क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 16 मार्च। अंडर-12 पिंकसिटी कप में लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 194 रन 8 विकेट के नुकसान पर बनाएं। प्रियंक जैफ ने 95 और आदित्य सिंह ने 41 रनों को योगदान दिया। कोडाई क्रिकेट अकादमी और से हर्षित सैनी ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोडाई क्रिकेट अकादमी ने 39.1 ओवर में 177 रन पर ऑल आउट हो गई। हर्षित सैनी ने सर्वाधिक 70 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की ओर से पार्थ और भव्य ने 3-3 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच प्रियंक जैफ को चुना गया।

कार्यालय नगरपालिका धरियावद जिला-प्रतापगढ़ (राज.)

क्रमांक/न.पा.धरि./स्टोर/2025–26/1505 दिनांकः– 11.03.2026

ई निविदा सूचना – 10

नगरपालिका द्वारा वित्तिय वर्ष 2025–26 हेतु निम्न कार्य कराये जाने हेतु नीचे अंकितानुसार खुली बोली पद्धती से ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विस्तृत विवरण www.sppp.raj.gov.in एंव www.eproc.raj.gov.in पर उपलब्ध है।

क्र.सं.	यूबीएन संख्या
01	DLB2526WSOB37783

Important Date

1	निविदा डाउनलोड करने की दिनांक	10/03/2026 से 23/03/2026 तक (सांय 06:00 बजे तक)
2	निविदा अपलोड करने की दिनांक	10/03/2026 से 23/03/2026 तक (सांय 06:00 बजे तक)
3	धरोहर राशि/निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस एंव ESI, EPS, GST, PAN No. के दस्तावेज भौतिक रूप से जमा करने की दिनांक	24/03/2026 दोपहर 02:00 बजे तक
4	तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	24/03/2026 सांय 04:00 बजे
5	वित्तीय बिड खोलने की दिनांक	तकनिकी बिड परीक्षण पश्चात्।

अधिशाषी अधिकारी
धरियावद

राज.संवाद/सी/25/22535

जयपुर में 5 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय तीरदांजी कोचिंग सेमिनार का भव्य समापन

ओलंपिक पदक के लिए 3 से 5 वर्ष पहले बनाना होगा वैज्ञानिक ट्रेनिंग प्लान- तुर्की के अंतर्राष्ट्रीय कोच युसूफ

जयपुर, 16 मार्च। राजधानी जयपुर में भारतीय तीरंदाजी संघ और राजस्थान तीरंदाजी संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 5 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी कोचिंग सेमिनार का आज भव्य समापन हुआ। 11 मार्च से 16 मार्च तक चले इस महत्वपूर्ण सेमिनार में देशभर से चयनित 40 तीरंदाजी प्रशिक्षकों ने भाग लेकर आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धितयों और अंतरराष्ट्रीय नियमों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। सेमिनार के दौरान तुर्की से आए अंतरराष्ट्रीय कोच युसुफ, जो वर्ल्ड आर्चरी कोचेस कमेटी के चेयरमैन भी हैं, ने भारतीय प्रशिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि यदि भारत को तीरंदाजी में ओलंपिक पदक हासिल करना है तो दीर्घकालीन और वैज्ञानिक प्रशिक्षण योजना बनाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि किसी भी खिलाड़ी को विश्व स्तर पर सफल बनाने के लिए कम से कम 3 से 5 वर्ष पहले विस्तृत ट्रेनिंग प्लान तैयार करना पड़ता है, जिसमें खिलाड़ी की प्रतिदिन की अभ्यास योजना, तकनीकी सुधार और मानसिक तैयारी को शामिल किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि तीरंदाजी एक अत्यंत तकनीकी खेल है और बिना व्यवस्थित ट्रेनिंग प्लान के इसमें सफलता प्राप्त करना संभव नहीं है। सेमिनार के दौरान उन्होंने भारतीय प्रशिक्षकों को शूटिंग तकनीक, बॉडी बैलेंस, मानसिक एकाग्रता, उपकरणों के सही उपयोग और प्रतियोगिता की तैयारी से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बारीकियों से अवगत कराया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पवन अरोड़ा (राजस्थान साइक्लिंग अकादमी) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीपेंद्र सिंह (अध्यक्ष, राजस्थान तीरंदाजी संघ) ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सुरेंद्र सिंह गुर्जर (संयुक्त सचिव, भारतीय तीरंदाजी संघ) मौजूद रहे।

Post Graduate Institute of Veterinary Education and Research (PGIVER)

(A Centre of Excellence for Higher Veterinary Education)
(Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences)
N.H.-11, Agra Road, Jamdoli, Jaipur – 302031
E-mail: pgiverjaipur@gmail.com Ph. No.: 0141-2681211

F.6 ( ) /PGIVER/Purch/2026/2559 Date: 11-03-2026

ई–बोली आंमत्रण सूचना सं 02/2025–26

पशु चिकित्सा संकुल (VCC- ICU STRENGTHENING) के लिए उपकरणों के क्रय हेतु ई–प्रोक्यूरमेंट माध्यम से आनलाईन बोली आमंत्रित की जाती है:–

सामग्री /उपकरण का विवरण	अनुमानित राशि (रूपये)	बोली प्रतिभूति राशि	बोली प्रपत्र शुल्क	प्रोसेसिंग फीस शुल्क
VETERINARY CLINICAL COMPLEX EQUIPMENTS FOR ICU STRENGTHENING	33.00 लाख	कोटेड आईटम के अनुमानित कीमत का 2 प्रतिशत For MSME 0.5%	Rs.500/– (For MSME Rs.250/-)	Rs 1000/–

1. ऑनलाईन बोली प्रपत्र उपलब्ध होने की तिथि 12.03.2026 को मध्यान्ह 2.00 बजे से
2. प्रीबिड मीटिंग की दिनांक 18.03.2026 प्रातः 11.00 बजे से
3. ऑनलाईन बोली प्रपत्र जमा करवाने की समयावधि 25.03.2026 को सायं 4.00 बजे तक
4. ऑनलाईन तकनीकी बोली प्रपत्र खोलने की तिथि 27.03.2026 मध्यान्हः 2.00 बजे

बोली प्रपत्र, बोली शर्ते एवं अन्य विवरण विभाग की वेबसाईट https://ruvasjaipur.rajasthan.gov.in स्टटे पोर्टल की वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध देखी/प्राप्त की जा सकती है।

UBN NO. VAU2526GLOB00147

राज.संवाद/सी/25/22580 अधिष्ठाता

कार्यालय नगरपालिका मण्डल नरायना, जिला–जयपुर

क्रमांक/न.पा.न./निर्माण शाखा/2025–26/196 दिनांकः–11.03.2026

ई–बोली सूचना (20/2025–26)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका नरायना में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभाग के संबंधित श्रेणी "A"AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑन–लाईन बोली आमंत्रित की जाती है, बोली फार्म एवं ई–बोली से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

बोली का कार्य (कुल 04 कार्य)	:	NIB Code:- DLB2526B2784
Unique Bid Number	:	1. DLB2526WSOB38029 2. DLB2526WSOB38030 3. DLB2526WSOB38032 4. DLB2526WSOB38035
बोली की कुल लागत	:	राशि 99.04 लाख (सभी कार्यो की अनुमानित लागत)
बोली जारी करने की दिनांक	:	दिनांक 11.03.2026
बोली दस्तावेजों को डाउनलोड करने की दिनांक व समय	:	दिनांक 11.03.2026 को अपरान्ह 17.00 बजे से
ऑन लाईन बोली जमा कराने की अन्तिम दिनांक	:	दिनांक 20.03.2026 को सांय 16.00 बजे तक
भौतिक रूप से कार्यालय में बोली शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की दिनांक	:	दिनांक 23.03.2026 को अपराह 13.00 बजे तक नगर पालिका सांभरलेक कार्यालय में
ऑनलाईन तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	:	दिनांक 24.03.2026 को अपराह 13.00 बजें
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	:	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि	:	90 days

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका, नरायना

राज.संवाद/सी/25/22496

आदिवासियों का राजस्थान के विकास में अतुलनीय योगदान है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जन जातीय गौरव दिवस पर बेणेश्वर धाम में लाभार्थियों को टेबलेट, चैक व स्कूटी बांटी

डूंगरपुर/जयपुर, 16 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज अपनी समृद्ध परंपरा, विशिष्ट संस्कृति तथा प्रकृति के साथ गहरे संबंध के लिए प्रसिद्ध है। इस समाज ने ऐसे वीर सपूत दिए हैं, जिन्होंने आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। देश-प्रदेश का विकास इनकी

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आदिवासी बाहुल्य जिलों के ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों, त्रिपुरा सुंदरी, मानगढ़ धाम, बेणेश्वर धाम, सीतामाता अभयारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर व मातृ कुण्डिया आदि को सम्मिलित करते हुए 100 करोड़ रूपए से ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने बालिकाओं को स्कूटी व बैग वितरित किये।

सक्रिय भागीदारी से ही संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी के तहत, राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में यह दिन आदिवासियों को समर्पित है। आदिवासियों ने राजस्थान की इस विकास यात्रा में अतुलनीय योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री सोमवार को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बेणेश्वर धाम की ऐतिहासिक भूमि आदिवासी आस्था का सबसे बड़ा केन्द्र है। राज्य सरकार द्वारा बेणेश्वर धाम के सौंदर्यीकरण का कार्य करवाया जाएगा और इस संबंध में डीपीआर भी तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जनजाति समाज के खिलाड़ियों ने एशियन लेक्रोस गेम्स, राष्ट्रीय लेक्रोस चैंपियनशिप सहित, विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में पदक जीते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी बहुल जिलों के ऐतिहासिक, धार्मिक स्थलों, त्रिपुर सुंदरी, मानगढ़ धाम, बेणेश्वर धाम, सीतामाता अभ्यारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर, मातृ कुण्डिया आदि को सम्मिलित करते हुए, 100 करोड़ रुपये से ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट भी विकसित किया जाएगा।

जनजातीय क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आदिवासियों के तीर्थ बेणेश्वर धाम का सर्वांगीण विकास होगा।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ , सलूंबर एवं सिरोही जिले के 1 हजार 902 करोड़ रुपये के 326 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। शर्मा ने लखपति दीदी सम्मान योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली लखपति दीदियों को सांकेतिक चैक और टेबलेट सौंपे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने परिसर में आयोजित विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया एवं बालिकाओं को स्कूटी वितरित कीं।

प.बंगाल में भारी प्रशासनिक फेरबदल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मार्च। भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में चुनाव की तारीखों की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद, राज्य के शीर्ष नौकरशाहों को हटाने का आदेश दिया। इनमें नंदिनी चक्रवर्ती भी शामिल हैं, जो ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार की मुख्य सचिव थीं। सभी अफसरों को चुनाव कार्यों से अलग रखा जाएगा।

राज्य में दो चरणों में मतदान होगा: 23 अप्रैल और 29 अप्रैल। मतों की गिनती 4 मई को होगी।

आयोग ने 1993 बैच के आईएएस अधिकारी दुष्यंत नरियाला को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त

- चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव, गृह सचिव सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अफसरों को चुनाव ड्यूटी से हटाया।

किया है। राज्य के पुलिस प्रमुख पीयूष पांडे की जगह सिद्ध नाथ गुप्ता को नियुक्त किया गया है। वहीं, कोलकाता पुलिस के आयुक्त सुप्रतिम सरकार की जगह अजय कुमार नंद को नियुक्ति दी गई है।

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा को भी हटा दिया है और 1997 बैच की आईएएस अधिकारी संघमित्रा घोष को गृह और पहाड़ी मामलों की प्रधान सचिव नियुक्त करने का भी निर्देश दिया।

आयोग के सचिव सुजीत के. आर. मिश्रा के हस्ताक्षर वाले पत्र में कहा गया है, "स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को चुनाव समाप्त होने तक चुनाव से संबंधित किसी भी पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा।"

'होर्मुज़ से सुरक्षित रास्ता चाहते हो, तो जब्त किये तीन टैंकर छोड़ो'

ईरान ने अपने राजदूत के मार्फत सोमवार को भारत के सामने शर्त रखी

- गत 6 फरवरी को भारतीय कोस्टल अधिकारियों ने तीन तेल टैंकर जांच के लिये मुंबई तट के पास रोके थे। अमेरिका के प्रतिबंध के कारण ईरान से संबंधित ये टैंकर भारत ने जब्त कर लिये थे। तब से ही ईरान इन टैंकरों को छोड़ने की मांग कर रहा है।

नई दिल्ली, 16 मार्च। अमेरिका और इज़रायल द्वारा हमला किए जाने के बाद से ही ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया है। इससे पूरी दुनिया में तेल का संकट पैदा हो गया है, क्योंकि दुनिया का 20 फीसदी तेल इसी रास्ते से गुजरता है। भारत लगातार ईरान से सुरक्षित रास्ता देने की अपील कर रहा है, लेकिन अब खबर आई है कि ईरान ने इसके लिए एक शर्त रख दी है।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, ईरान ने भारत से कहा है कि अगर उसे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से अपने जहाजों के लिए सुरक्षित रास्ता चाहिए, तो बदले में भारत को ईरान के जब्त किए गए 3 टैंकरों को छोड़ना पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ईरान के राजदूत ने इस संबंध में सोमवार को विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात की। इस मीटिंग में ईरान ने भारत के सामने टैंकरों को छोड़ने के बदले में सुरक्षित रास्ता देने की पेशकश की है।

हालांकि इस रिपोर्ट पर न तो भारत और न ही ईरान की तरफ से कोई प्रतिक्रिया आई है। ज्ञातव्य है कि 6 फरवरी को भारतीय कोस्टल अधिकारियों ने तीन तेल टैंकरों को जब्त कर लिया था।

कथित तौर पर इनका संबंध ईरान से था और अमेरिका ने इन पर प्रतिबंध लगाया हुआ था। ये जहाज, स्टेलर रूबी, एस्फाल्ट स्टार और अल जाफजिया थे, जिन्हें अवैध तेल व्यापार की गतिविधियों में शामिल होने के संदेह में जांच के लिए मुंबई तट के पास रोका गया था। अब ईरान ने इन्हीं टैंकरों को छोड़ने की मांग की है।

इसके पहले ईरान की तरफ से कहा गया था कि भारत और ईरान पुराने दोस्त हैं। इसके बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दो जहाज भारत के लिए रवाना हो गए थे। इनमें से एक टैंकर भारत पहुंच चुका है, जबकि दूसरा मंगलवार को पहुंचेगा।

भाजपा ने बंगाल चुनावों के लिए 144 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की

ममता के खिलाफ लड़ेंगे शुभेन्दु, दिलीप घोष को भी मिला टिकट

- भाजपा ने कई मौजूदा विधायकों को फिर से टिकट दिया है। पार्टी ने अनुभव और संगठनात्मक संतुलन को तवज्जो देते हुए टिकट दिए हैं।

कोलकाता, 16 मार्च। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी पहली उम्मीदवार सूची सोमवार को जारी कर दी है। पार्टी ने पहले चरण में 144 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं। इस सूची में अधिकांश वर्तमान विधायकों पर फिर से भरोसा जताया गया है, जबकि कुछ सीटों पर नए चेहरों को मौका दिया गया है। खास बात ये है कि इस बार भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष, जिन्हें लंबे समय तक पार्टी ने दर किनार रखा था, उनकी पुरानी सीट खड़गपुर सदर से उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष शुभेन्दु अधिकारी को नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों महत्वपूर्ण सीटों से उम्मीदवार बनाया है। इससे साफ संकेत मिलता है कि पार्टी इन हाई प्रोफाइल सीटों पर मजबूत राजनीतिक संदेश देना चाहती है। वहीं, पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को एक बार फिर खड़गपुर सदर सीट से उम्मीदवार बनाया है। पूर्व राज्यसभा सांसद स्वपन दासगुप्ता को रासबिहारी विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है।

भाजपा ने कई मौजूदा विधायकों को पुनः मैदान में उतारा है। इनमें आसनसोल दक्षिण से अग्निमित्रा पाल, शालतोड़ा से चंदना बाउरी, डाबग्राम-फूलबाड़ी से शिखा चट्टोपाध्याय, तूफानगंज से मालती रावा राय, सिलीगुड़ी से शंकर घोष और भाटपाड़ा से पवन सिंह का नाम शामिल है।

इसके अलावा, कुछ मौजूदा विधायकों के टिकट भी काटे गए हैं। बालुरघाट से विधायक अशोक लाहिड़ी को टिकट नहीं दिया गया और उनकी जगह विद्युत राय को उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह गोघाट से विश्वनाथ कारक की जगह प्रशांत डिगर, आरामबाग से मधुसूदन बाग की जगह, हेमंत बाग को उम्मीदवार बनाया गया है।

वाम मोर्चा ने प.बंगाल के लिये 192 प्रत्याशियों की घोषणा की

कोलकाता, 16 मार्च। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर वाम मोर्चा ने 192 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों की पहली सूची सोमवार को जारी कर दी है। वाम मोर्चा के अध्यक्ष विमान बोस ने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। सूची में माकपा, भारतीय कम्युनिस्ट

- सूची में भाजपा, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी, फारवर्ड ब्लाक, आरएसपी आदि सहयोगी दलों के नाम है।

पार्टी, फारवर्ड ब्लॉक, आरएसपी सहित सहयोगी दलों के बीच सीटों का बंटवारा दिखाई देता है।

माकपा के प्रदेश सचिव मोहम्मद सलीम ने नाटाबाड़ी और तुफानगंज सीटों पर बाद में संशोधन की जानकारी भी दी। घोषित सूची से स्पष्ट है कि माकपा ने सबसे अधिक सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि फारवर्ड ब्लॉक, आरएसपी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को भी महत्वपूर्ण सीटें दी गई हैं।

उत्तर बंगाल की कई सीटों पर वाम मोर्चा ने अपने संगठन से जुड़े अनुभवी नेताओं को मैदान में उतारा है। इनमें प्रमुख रूप से सिलिगुड़ी से शरदिंदु चक्रवर्ती, जलपाईगुड़ी से देबराज बर्मन, रायगंज से जीवनानंद सिंह, बालुरघाट से अर्णब चौधरी और गंगारामपुर से बिप्लब बर्मन शामिल हैं ।

ईरान ने इज़रायल पर दागी सेजिल बैलिस्टिक मिसाइल

यह मिसाइल 2000 से 2500 किलोमीटर तक प्रहार कर सकती है

- युद्ध का आज 17 वां दिन है और ईरान ने पहली बार इस मिसाइल का प्रयोग किया है
- ईरान के विदेश मंत्री ने अब्बास अराघची ने कहा ईरान ने युद्ध विराम की मांग नहीं की है।

तेहरान, 16 मार्च। अमेरिका-इज़रायल और ईरान युद्ध का आज 17वां दिन है। ईरान ने रविवार को इस लड़ाई में पहली बार इज़रायल पर सेजिल बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। यह जानकारी ईरान इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की न्यूज एजेंसी तसनीम ने दी। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कल कहा कि ईरान ने न तो युद्धविराम की मांग की है और न ही अमेरिका से बातचीत की पेशकश की है। जब तक जरूरत होगी, ईरान अपनी रक्षा करता रहेगा।

आईआरजीसी ने कहा कि सेजिल के माध्यम से इज़रायल के सैन्य और रक्षा सुविधा को निशाना बनाया गया है। यह मिसाइल 2000-2500 किलोमीटर तक हमला कर सकती है। 28 फरवरी को अमेरिका-इज़रायल के आक्रामक युद्ध शुरू होने के बाद से यह पहली बार है, जब सेजिल मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। वहीं, अमेरिकी न्यूज चैनल सीबीएस न्यूज को दिए साक्षात्कार में ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कल कहा कि ईरान ने न तो युद्धविराम की मांग की है और न ही अमेरिका से बातचीत की कोशिश की है। जब तक जरूरत होगी, ईरान खुद की रक्षा करता रहेगा। उन्होंने कहा कि ईरान इस संघर्ष में पीछे हटने वाला नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को यह स्वीकार करना होगा कि यह युद्ध न्यायसंगत नहीं है। जब तक वे स्वीकार नहीं करते, तब तक ईरान जवाब देता रहेगा। अराघची ने कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद देश की परमाणु सामग्री जमीन के नीचे दब गई है।

बेबस से ट्रंप ने नाटो देशों से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिका के समर्थन के बिना अकेले रूस का सामना कर सकें? उस समय स्टार्मर के पास एक शिष्ट मुस्कान के अलावा कोई जवाब नहीं था।

एक अन्य यूरोपीय सहयोगी जर्मनी ने भी इसी तरह युद्ध में शामिल होने से इंकार कर दिया और कहा कि वह नाटो का युद्ध नहीं है। जर्मनी के चांसलर फ्रैडरिक मर्ज़ ने साफ कहा कि जर्मनी अमेरिका-इज़रायल के ईरान के साथ युद्ध में शामिल नहीं होगा।

इस तरह का जवाब मिलने पर ट्रंप गुस्से से भर गए और कहा कि नाटो गठबंधन का भविष्य "बहुत खराब" होने वाला है। देखा जाए तो, यह नाटो गठबंधन के उस स्वरूप का लगभग अंत ही है, जिस रूप में वह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से काम करता रहा है।

कुछ समय पहले तक ट्रंप अक्सर यूरोपीय सहयोगियों को रूस के खतरे के सामने उनकी कमज़ोर रक्षा तैयारी के लिए नियमित रूप से डांटते रहते थे। अब, जब ईरान ने होर्मुज़ स्ट्रेट से जहाजों के आवागमन को चुनौती दी है, तो डॉनल्ड ट्रम्प उसी संकरे समुद्री रास्ते से जहाजों को निकालने के लिए दूसरों से मदद मांग रहे हैं।

मानो उसी पुरानी बात का मीठा बदला लेने के लिए, अमेरिका के यूरोपीय सहयोगियों ने, होर्मुज़ से जहाजों के निकासी अभियान में शामिल होने की ट्रम्प की अपील को साफ तौर पर ठुकरा दिया है। स्ट्रेट के दोनों छोर पर जहाजों की लंबी कतार लगी हुई है, जो पार जाने के अवसर का इंतजार कर रहे हैं। तथापि, इसके लिए ईरान की अनुमति आवश्यक होगी।

अपनी ओर से ईरान ने कहा है कि होर्मुज़ स्ट्रेट खुला हुआ है और कई जहाजों को बिना किसी बाधा के गुजरने दिया गया है। ईरान का कहना है कि वह केवल मार्ग को नियंत्रित कर रहा है, उसे बंद नहीं कर रहा। लेकिन ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि न तो अमेरिकी और न ही इज़रायली जहाजों को वहां से गुजरने दिया जाएगा।

अमेरिका के सामने इस सीधी चुनौती के बीच डॉनल्ड ट्रम्प ने पहले वादा किया था कि वह वाणिज्यिक जहाजों को अमेरिकी सुरक्षा घेरे के साथ भेजेंगे। लेकिन ईरानी मिसाइलों की विनाशकारी क्षमता और उनके हमलों को देखते हुए अमेरिकी नौसेना ने ऐसा करने से परहेज़ किया और उसने वहां से गुजरने की हिम्मत ही नहीं की।

ईरान ने भी यही कहा है कि अमेरिकी नौसेना में स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश करने का साहस नहीं था।

अब कई लोग ईरान युद्ध पर ट्रम्प के बयानों को गलत बयान बताकर उनपर सवाल उठा रहे हैं।

ट्रम्प पहले ही दावा कर चुके थे कि ईरान पर हमलों ने ईरान की पूरी नौसैनिक शक्ति को नष्ट कर दिया है और अमेरिका पहले ही ईरान पर जीत हासिल कर चुका है।

अब पूरे पश्चिमी मीडिया में खुले तौर पर यह सवाल पूछा जा रहा है कि यदि ऐसा है, तो फिर ट्रम्प होर्मुज़ स्ट्रेट के गतिरोध को तोड़ने के लिए अन्य देशों से मदद क्यों मांग रहे हैं?

एलपीजी लेकर गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पहुंचा जहाज शिवालिक

नई दिल्ली, 16 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच भारत के लिए राहत देने वाली खबर सामने आई है।

खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर भारतीय ध्वज वाला शिवालिक जहाज 45,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर गुजरात के मुंद्रा पोर्ट बंदरगाह पहुंच गया है। दूसरा जहाज नंदा देवी के भी जल्द आने के बाद देश में रसोई गैस की किल्लत कम होने के आसार हैं।

इससे पहले जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने संवाददाताओं को बताया कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटों में कोई घटना सामने नहीं आई है और हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं।

लोकसभा के 8 सांसदों का निलंबन वापस होगा

- सर्वदलीय बैठक में सहमति बनी कि मंगलवार को प्रश्नकाल के बाद यह मुद्दा उठाया जाएगा और निलंबन वापस लिया जाएगा

नई दिल्ली, 16 मार्च। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला की अध्यक्षता में सोमवार को हुई सर्वदलीय बैठक में आठ निलंबित सांसदों का निलंबन वापस लेने पर सहमति बन गई है। सूत्रों के अनुसार, इन सांसदों का निलंबन मंगलवार को प्रश्नकाल के बाद औपचारिक रूप से वापस लिया जाएगा।

जिन सांसदों का निलंबन वापस लिया जाएगा, उनमें गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, एडवोकेट डीन कुरियाकोस, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, बी. मणिकम टैगोर, डॉ. प्रशांत यदोराव पाडोले, चामला किरण कुमार रेड्डी और एस. वेंकटेशन शामिल हैं। इन सांसदों को संसदीय कार्य मंत्री द्वारा लाए गए प्रस्ताव के आधार पर, तीन फरवरी से शुरू हुए सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया गया था।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में नेताओं ने संसद की गरिमा और स्थापित परंपराओं को बनाए रखने पर भी सहमति जताई। इसके तहत यह तय किया गया कि कोई भी सदस्य सदन के वेल में दूसरी ओर नहीं जाएगा, कागज फाड़कर आसन की ओर नहीं फेंकेगा और न ही अधिकारियों की मेज पर चढ़ेगा। इसके अलावा, सभी सदस्य सदन की मर्यादा का पालन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी घटनाएं भविष्य में दोबारा न हों।

इस बीच लोकसभा सचिवालय ने सांसदों को संसद परिसर में मर्यादा बनाए रखने के संबंध में एक बुलेटिन भी जारी किया है।

बिहार में महागठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी महागठबंधन के पक्ष में मतदान करेंगे।

इसके बावजूद, महागठबंधन एक अजीब कारण से हार गया। कांग्रेस के तीन विधायक और आरजेडी का एक विधायक मतदान के लिए पहुंचे ही नहीं, जिससे एआईएमआईएम के पाँच और बीएसपी के एक विधायक के समर्थन का फायदा व्यर्थ हो गया।

कांग्रेस विधायक सुरेन्द्र प्रसाद कुशवाहा से पूरे दिन संपर्क नहीं हो सका तथा उनका मोबाइल फोन बंद रहा। एक अन्य कांग्रेस विधायक मनोज बिस्वास भी संपर्क से बाहर रहे। तीसरे कांग्रेस विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने सुबह नेताओं को आश्वासन दिया था कि वे मतदान के लिए आएंगे, लेकिन वे भी नहीं पहुंचे।

आरजेडी के फैसल रहमान ने बाद में स्पष्ट किया कि उनकी अनुपस्थिति का कारण उनकी मां के दिल्ली में चल रहे इलाज से जुड़ी व्यक्तिगत आपात स्थिति थी। इस तरह एनडीए के उम्मीदवारों ने सभी पाँच सीटें जीत लीं। जीतने वाले नेता हैं- भाजपा के नितिन नबीन और शिवेश कुमार राम, जदयू के नीतीश कुमार और रामनाथ ठाकुर, तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के उपेन्द्र कुशवाहा।

खाड़ी वॉर पर भ्रामक पोस्ट करने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सार्वजनिक अव्यवस्था फैलाने और स्थिरता को कमजोर करने का प्रयास करती है।

यूएई की सरकारी समाचार एजेंसी, "वाम" के अनुसार, बयान में कहा गया है कि जांच और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी से पता चला कि आरोपियों को तीन समूहों में बाँटा जा सकता है, जिन्होंने अलग-अलग तरह के कृत्य किये। इनमें वर्तमान घटनाओं से जुड़े असली वीडियो क्लिप प्रकाशित करना, एआई की मदद से नकली वीडियो बनाना, और सैन्य कार्यवाही करने वाले देश (ईरान) के सैन्य हमलों का महिमामंडन करना शामिल था।

दस आरोपियों के पहले समूह, जिनमें पाँच भारतीय, एक पाकिस्तानी, एक नेपाली, दो फिलिपीनी और मिस्र का एक नागरिक शामिल हैं, ने यूएई के हवाई क्षेत्र में मिसाइलों के गुजरने या उन्हें रोके जाने से जुड़े असली वीडियो क्लिप प्रसारित किए। उन्होंने लोगों की भीड़ वाले वीडियो के साथ टिप्पणियाँ और ध्वनि प्रभाव भी जोड़े, जिससे सक्रिय हमले का आभास होता था और लोगों में घबराहट फैल सकती थी।

बयान में कहा गया कि ऐसे वीडियो देश की रक्षा क्षमताओं से जुड़ी जानकारी उजागर कर सकते थे और शत्रुतापूर्ण प्रचार को बढ़ावा दे सकते थे।

दूसरे समूह में सात लोग शामिल हैं-पाँच भारतीय, एक नेपाली और एक बांग्लादेशी। इन पर आरोप है कि उन्होंने एआई से बनाए गए नकली वीडियो या अन्य देशों की घटनाओं के फुटेज को यूएई का बताकर प्रसारित किया। इन क्लिपों में विस्फोट और मिसाइलों के कृत्रिम दृश्य दिखाए गए थे और उनमें राष्ट्रीय झंडे या तिथियाँ जोड़कर उन्हें विश्वसनीय दिखाने की कोशिश की गई।

तीसरे समूह में छह आरोपी हैं-पाँच भारतीय और एक पाकिस्तानी। इन पर आरोप है कि उन्होंने "एक शत्रु देश (ईरान) और उसके राजनीतिक व सैन्य नेतृत्व का महिमामंडन करने वाली सामग्री" पोस्ट की और उसके सैन्य कदमों को उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया।

बयान में कहा गया, "इसमें उस देश के नेताओं की प्रशंसा, और उस दुष्प्रचार को बार-बार दोहराना शामिल है, जो राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध है।"

इसके अलावा दो अन्य भारतीयों पर भी इसी तरह के आरोप लगाए गए हैं। शनिवार को यूएई की सरकारी समाचार एजेंसी "वाम" की रिपोर्ट में बताया गया था कि 10 आरोपियों से पूछताछ के बाद, उनका पब्लिक प्रॉसिक्यूशन हुआ तथा अदालत ने उन्हें हिरासत में भेजने का आदेश दिया। अटॉर्नी जनरल अल शम्स ने कहा कि इन लोगों ने एआई से बनाए गए वीडियो फैलाए, जिनमें यूएई के प्रमुख स्थलों पर विस्फोट, हमले या बड़े पैमाने पर आग लगने जैसी झूठी घटनाएँ दिखाई गई थीं।

यूएई में ऐसे अपराधों के लिए कम से कम एक वर्ष की कैद और कम से कम 1,00,000 दिरहम का जुर्माना हो सकता है।

उन्होंने कहा, "इन घटनाओं का इस्तेमाल जानबूझकर भ्रामक जानकारी फैलाने के लिए किया गया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यवस्था और स्थिरता को नुकसान पहुँच सके।"

कुछ वीडियो में बच्चों की भावनाओं का भी अनुचित लाभ लेने की कोशिश की गई, और यह झूठा संकेत दिया गया कि देश की सुरक्षा को खतरा है। अन्य वीडियो में सैन्य ठिकानों के नष्ट होने या विदेशी घटनाओं को यूएई में घटित बताया गया। इसका उद्देश्य जन-भावना को गलत दिशा में ले जाना तथा चिन्ता और डर पैदा करना था।

संसद में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से हुई तकनीकी खराबी के कारण हुआ।

हालांकि, विस्तृत जांच जारी है कि बूम बैरियर तेज़ हवा की वजह से गिरा या उस समय परिसर में प्रवेश कर रही एक कार के एंट्री स्टिकर को पढ़ने में असमर्थ होने के कारण ऐसा हुआ।

पास में तैनात क्यूआरटी को तुरंत सक्रिय किया गया, लेकिन जब यह स्पष्ट हो गया कि सुरक्षा अलार्म तकनीकी खराबी के कारण था, तो टीम वापस अपने स्थान पर लौट गई।

खार्ग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छोटा और बंजर- सा द्वीप है, जहाँ से ईरान के अधिकांश कच्चे तेल का निर्यात होता है। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण बढ़ते ऊर्जा संकट के बीच यह विचार सामने आया है।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि यदि तेहरान की नाकेबंदी के कारण टैंकर फारस की खाड़ी में फँसे रहते हैं, तो ट्रम्प खार्ग द्वीप पर स्थित ईरान के महत्वपूर्ण तेल भंडार पर कब्ज़ा करने का आदेश दे सकते हैं।

यदि अमेरिका ऐसा कदम उठाता है, तो उसे जमीन पर अपनी सेना उतारनी होगी। इससे यह जोखिम बढ़ जाएगा कि ईरान, खाड़ी देशों में तेल प्रतिष्ठानों और पाइपलाइनों पर जवाबी हमले कर सकता है, खासकर सऊदी अरब में।

लेकिन पश्चिम एशिया में अमेरिका का प्रमुख सहयोगी इज़रायल शायद अभी ईरान की जमीन पर अपनी सेना उतारने के मूड में नहीं है। भारत में इज़रायल के राजदूत रियुवेन अज़र ने दावा किया है कि न तो वॉशिंगटन और न ही यरूशलम ईरान पर जमीनी आक्रमण करने का इरादा रखते हैं।

'आर्थिक अनुदान सीधे ईरानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लागू करता है। इन प्रतिबंधों के कारण वैश्विक बैंक और भुगतान प्लेटफॉर्म ईरान से जुड़े मनी ट्रांसफर को प्रोसेस करने में बेहद सावधानी बरतते हैं। यहां तक कि वे देश भी, जो औपचारिक रूप से अमेरिकी प्रतिबंध लागू नहीं करते, अक्सर ऐसे लेन-देन से बचते हैं क्योंकि वे डॉलर-आधारित अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रणाली पर बहुत अधिक निर्भर होते हैं।

एक्स पर एक पोस्ट में ईरानी दूतावास ने भारत में उन लोगों का धन्यवाद किया जिन्होंने युद्ध से प्रभावित नागरिकों को मानवीय सहायता देने में रुचि दिखाई। हालांकि, दूतावास ने कहा कि तकनीकी समस्याओं के कारण उसके बैंक खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर के माध्यम से दान प्राप्त करना कठिन हो गया है।

दूतावास ने लिखा, "दूतावास के खाते में धन स्थानांतरित करने में बताई गई कुछ कठिनाइयों के कारण, हम अपने प्रिय भारतीय भाइयों और बहनों के निरंतर समर्थन के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहते हैं।"

अधिकारियों ने बताया कि वे इस समस्या को हल करने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल दानदाताओं को गुगल पे जैसे डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म का उपयोग न करने की सलाह दी गई है। इसके बजाय दूतावास ने कहा कि नकद दान सीधे नई दिल्ली स्थित मिशन में किया जा सकता है।

इससे पहले दूतावास ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में अपने खाते का विवरण साझा किया था, क्योंकि भारत के कई लोगों ने संघर्ष से प्रभावित ईरानी नागरिकों को सहायता भेजने की इच्छा जताई थी।

अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग नेटवर्क कड़े अनुपालन नियमों के तहत काम करते हैं, जिनका उद्देश्य प्रतिबंधों के उल्लंघन और अवैध वित्तीय प्रवाह को रोकना है। ईरानी संस्थाओं से जुड़े लेन-देन अक्सर अतिरिक्त जांच या देरी का कारण बनते हैं, खासकर जब भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा हुआ हो।

मौजूदा संघर्ष ने वित्तीय प्रणाली में ऐसी सावधानियों को और बढ़ा दिया है। बैंक और डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म आम तौर पर अमेरिकी वित्तीय प्रणाली से जुड़े वैश्विक क्लियरिंग नेटवर्क पर निर्भर करते हैं, इसलिए वे ऐसे किसी भी लेन-देन से बचना चाहते हैं जिसमें नियामकीय जांच का खतरा हो।

यह घटना भारत और ईरान के संबंधों की जटिलता को भी उजागर करती है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से सभ्यतागत और आर्थिक संबंध रहे हैं, विशेष रूप से ऊर्जा व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क के क्षेत्र में।

भारत में दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार भारत में 20 करोड़ से अधिक मुसलमान रहते हैं, जिनमें पश्चिम एशिया के बाहर की सबसे बड़ी शिया समुदायों में से एक शामिल है। ईरान, जहां शिया इस्लाम प्रमुख परंपरा है, ऐतिहासिक रूप से इन समुदायों के साथ सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध बनाए रखता आया है।

जैसे-जैसे पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज हो रहा है, भारत में दान प्राप्त करने में ईरानी दूतावास को हो रही कठिनाइयाँ यह दिखाती हैं कि आज के युद्ध केवल सैन्य टकराव तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनका असर वैश्विक वित्तीय प्रणाली तक फैल जाता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908